

शिव आमंत्रण

सशक्तिकरण एवं सामाजिक सेवाओं का दर्पण



किसान दिवस



वर्ष-12, अंक-12, हिन्दी (मासिक), दिसंबर 2025, पृष्ठ 16, मूल्य- 12:50

प्रधानमंत्री ने शांति शिखर एकेडमी फॉर ए पीसफुल वर्ल्ड समाज के नाम किया समर्पित

ब्रह्माकुमारीज से मेहा अपनापन है, यहाँ शब्द कम, सेवा ज्यादा है: पीएम नरेंद्र मोदी

“
पीएम ने मेडिटेशन
रुम में लगाया ध्यान,
संस्था से जुड़े अनुभव
सांझा किए
”

शिव आमंत्रण, दायपुर, छत्तीसगढ़।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 1 नवंबर को ब्रह्माकुमारीज संस्थान के छत्तीसगढ़ नवा रायपुर में नवनिर्मित शांति शिखर एकेडमी फॉर ए पीसफुल वर्ल्ड रिट्रिट सेंटर को समाज के नाम समर्पित किया। इस दौरान पीएम मोदी ने मेडिटेशन रुम में कुछ समय ध्यान भी लगाया। शांति शिखर के विशाल ऑडिटोरियम में प्रधानमंत्री मोदी ने अपने संबोधन में अध्यात्म, विश्व शांति, पर्यावरण संरक्षण, संस्कृति और ब्रह्माकुमारीज से जुड़े अपने अनुभवों को किया सांझा। मंच पर राज्यपाल रमेन डेका, मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, संस्थान की अतिरिक्त मुख्य प्रशासिका राज्योगिनी जयंती दीदी, अतिरिक्त महासचिव राज्योगी डॉ मृत्युंजय भाई भी रहे मौजूद।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि ब्रह्माकुमारीज ने स्वयं ही नहीं विश्व और ब्रह्मांड में शांति के प्रयासों से जोड़ा है। आपका पहला संबोधन ही ओम शांति है। ओम अर्थात् ब्रह्म और संपूर्ण ब्रह्मांड। शांति अर्थात् शांति ही कामना है। इसलिए ब्रह्माकुमारी के विचारों का हर किसी के अंतर्मन पर इतना प्रभाव पड़ता है। हमारा अध्यात्म हमें सिर्फ शांति का पाठ ही नहीं सिखाता, वह हमें हर कदम पर शांति की राह भी दिखाता है।

पीएम ने कहा कि हम वो हैं, जो जीव में शिव को देखते हैं। हम वो हैं, जो स्व में सर्वस्व को देखते हैं। हमारे यहाँ हर धार्मिक अनुष्ठान जिस उद्घोष के साथ पूरा होता है... वो उद्घोष है- विश्व का कल्याण हो! वो उद्घोष है- प्राणियों में सद्गावना हो। विश्व शांति की अवधारणा, ये भारत के मौलिक विचार का हिस्सा हैं। राज्य के विकास से देश का विकास, इसी मंत्र पर चलते हुए हम भारत के विकसित बनाने के अभियान में जुटे हैं। विकसित भारत की इस अहम यात्रा में ब्रह्माकुमारीज जैसी संस्था की अहम भूमिका



है। मैंने हमेशा अनुभव किया है, ब्रह्माकुमारीज में शब्द कम, सेवा ज्यादा है। मैं शांति शिखर की संकल्पना में उनके (दादी जानकी) विचारों को साकार होते हुए देख रहा हूं। मैंने इस आध्यात्मिक अंदोलन को बटवृक्ष की तरह विशाल होते देखा है। हमारे यहाँ कहा जाता है आचार्य परमोर्धमः, आचार्य परमोत्पं, आचार्य परमज्ञानम्, आचार्य किं साध्यते अर्थात् आचरण ही सबसे बड़ा धर्म है,

आचरण ही सबसे बड़ा तप है और आचरण ही सबसे बड़ा ज्ञान है। आचरण से क्या कुछ सिद्ध नहीं हो सकता है। बदलाव तब होता है, जब अपने कथन और करनी में उतारा जाए और यही ब्रह्माकुमारी संस्था की आध्यात्मिक शक्ति का स्त्रोत है। जहाँ हर बहन पहले कठोर तप और साधना में खुद को तपाती है। समाज को सशक्त करने में ब्रह्माकुमारी जैसे संस्थाओं की अहम भूमिका है।



मोदी ने ब्रह्माकुमारीज से जुड़े अनुभव किए सांझा-

ब्रह्माकुमारीज से जुड़े अपने अनुभव सांझा करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि मेरा तो सौभाय्य रहा है कि मैं बीते कई दशकों से आप सबके साथ जुड़ा हुआ हूं। मैं यहाँ अतिथि नहीं हूं, मैं आपका ही हूं। इस संस्थान से मेरा अपनापन है। खासकर जानकी दीदी का स्नेह, राज्योगिनी दादी हृदयमाईहीनी जी का मार्गदर्शन यह मेरी जीवन की विशेष स्मृतियों का हिस्सा है। मैं बहुत भाग्यवान रहा हूं। वर्ष 2011 में अहमदाबाद में प्लूचर ऑफ पावर कार्यक्रम हो, वर्ष 2012 में संस्था की स्थापना के 75 वर्ष हो या वर्ष 2013 में प्रयागराज के कार्यक्रम हो, आबू जाना हो या गुजरात में किसी कार्यक्रम में जाना हो यह तो बहुत रुटीन सा हो गया था। दिल्ली आने के बाद भी जादी के अमृत महोत्सव से जुड़े अभियान हो, स्वच्छ भारत अभियान या जल जन अभियान इन सबसे जुड़े का मौका हो, मैं जब भी आपके बीच आया हूं। आपके प्रयासों को बहुत गंभीरता से देखा है।

दुनिया के हर देश में ब्रह्माकुमारी के लोग मिले-

मोदी ने कहा कि प्रधानमंत्री बनने के बाद दुनिया में मैं जहाँ-जहाँ गया, एक भी देश ऐसा नहीं होगा जहाँ एयरपोर्ट हो या कार्यक्रम का स्थान हो मुझे ब्रह्माकुमारीज के लोग नहीं मिले हों, उनकी शुभाकामनाएं मेरे साथ न रहीं हों। इसमें मुझे अपनेपन का एहसास भी होता है और आपकी शक्ति का भी अंदाजा लगता है। जिन सपनों को लेकर आप चलें हैं वह सपने नहीं हैं, वह संकल्प होते हैं। आपके संकल्प पूरे हों। मुझे विश्वास है शांति शिखर जैसे संस्थान भारत के प्रयासों को नई ऊर्जा देंगे। इस संस्थान से निकली ऊर्जा देश-दुनिया के लाखों लोगों को विश्व शांति के इस विचार से जोड़ेंगी।

मोदी बोले- शांति शिखर एकेडमी में साधक वैशिक शांति का माध्यम बनेंगे

पीएम मोदी ने कहा कि आत्म संयम से आत्म ज्ञान, आत्म ज्ञान से आत्म सक्षात्कार और आत्म सक्षात्कार से आत्म शांति, इसी पथ पर चलते हुए शांति शिखर एकेडमी में साधक वैशिक शांति का माध्यम बनेंगे। ग्लोबल पीस के मिशन में जितनी अहमियत विचारों की होती है, उतनी ही बड़ी भूमिका व्यावहारिक नीतियों और प्रयासों की भी होती है। भारत उस दिशा में आज अपनी भूमिका पूरी ईमानदारी के साथ निभाने का प्रयास कर रहा है। अतिरिक्त मुख्य प्रशासिका राज्योगिनी जयंती दीदी ने कहा कि ब्रह्माकुमारीज की ओर से प्रधानमंत्री का हार्दिक अभिनंदन है। परमात्मा आपको उत्तम व्यावहारिक प्रदान करें ताकि आपके भारत के विश्व गुरु बनाने के संकल्प को सकारात्मक ऊर्जा मिलती रहे और आपके नेतृत्व में देश आगे बढ़ता रहे। अतिरिक्त महासचिव डॉ. बीके मृत्युंजय भाई ने छत्तीसगढ़ी टोपी और माला पहनाकर का स्वागत किया।

माइंड-मनी मैनेजमेंट कॉन्फ्रेस आयोजित

गौरवपूर्ण वृद्धावस्था और सम्मानित जीवन हमारी संरक्षित हैः केंद्रीय मंत्री डॉ. वरेंद्र कुमार

- समाजसेवा प्रभाग और सामाजिक न्याय और अधिकारिता विभाग के बीच तीन साल के लिए एमओयू साइन
- अब तक एक हजार से अधिक कार्यक्रम आयोजित

શિવ આમંત્રણ. આબરોડ. રાજસ્થાન।

केंद्रीय सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्री डॉ. वीरेंद्र कुमार ने ब्रह्माकुमारीज के समाजसेवा प्रभाग द्वारा चलाए जा रहे संगम- गौरवपूर्ण वृद्धावस्था और सम्मानित जीवन अभियान का राजस्थान राज्य स्तरीय शुभारंभ किया। इसमें राजस्थान और उप्र से आए पांच हजार से अधिक लोग मौजूद रहे। अभियान के तहत पूरे राजस्थान में वृद्धाश्रम, समाजसेवी संस्थाओं, सामाजिक संगठनों के माध्यम से आमजन को जोड़कार कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

शातिवन के डायमंड हाल में आयोजित कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री डॉ. कुमार ने कहा कि बजु़ुर्गों के लिए सुख-सुविधाओं की आवश्यकता नहीं है, उन्हें अपने बेटों-बेटियों, बहुओं और नाती-पोतों के आत्मीयता की आवश्यकता है। उनके हाथ में जब अपने बच्चों का हाथ स्पर्श करता है तो उसे किसी भौतिक सुख-सुविधाओं से नहीं मापा जा सकता है। दादा-दादी और नाना-नानी के साथ बच्चों का जो प्रेमपूर्ण, भावनात्मक संवाद होता है, इसकी कल्पना वही कर सकते हैं जो संयुक्त परिवार में जीते हैं। आज संयुक्त परिवारों का विघटन हो रहा है। ऐसे में हमें समाच की चेतना जागृत करने की ज़रूरत है। ऐसे अभियानों से लोगों में गौरवपूर्ण वृद्धावस्था और सम्मानित जीवन जीने की प्रेरणा मिलेगी। ब्रह्माकुमारी संस्था केवल उपदेश नहीं देती है, लेकिन करके दिखाती है। हमारे विभाग द्वारा दो एमओयू सङ्डिन किए गए हैं। ब्रह्माकुमारीज ने नशामुक्त भारत अभियान को जिस तेजी और गति के साथ आग बढ़ाया है वह सराहनीय है। जब सेवा, सहयोग और स्नेह मिलते हैं तो परिवर्तन स्वाभाविक रूप से होता है। गौरवपूर्ण वृद्धावस्था और सम्मानित जीवन हमारी संस्कृति है।

संगम- अनभव और पीढ़ियों का मिलन

डॉ. कुमार एक कहा कि संगम का अर्थ होता है- पीढ़ियों का मिलन। अनुभव और पीढ़ियों का मिलन। इस अधियान के माध्यम से ब्रह्मकुमारीज संस्थान ने समाज के सबसे संवेदनशील पहलू को न केवल स्पर्श किया है, बल्कि संवेदनशीलता के साथ वरिष्ठ नागरिकों को जोड़ने का कार्य किया यह अपने आप में बहुत बड़ा उदाहरण है। अधियान को लेकर हमारे विभाग द्वारा ब्रह्मकुमारीज के साथ एमओयू साइन किया गया है। ब्रह्मकुमारीज में आना ही अपने आप में आध्यात्मिक अनुभव है। यहां का वातावरण, शांति और आध्यात्मिक अनुभव प्रेरणा देता है। हमारे यहां गांवों में आज एक बेटी के घर आने पर पूरा मोहल्ला आवधार में लग जाता है। हमारे देश में आज भी संस्कार और संस्कृति के अनुरूप उदाहरण हैं। इस संगम का विचार यहीं से आया कि हमारे देश में परिवार में जो पश्चिम की संस्कृति का प्रभाव आ रहा है उसे दूर कर घर के बड़े बुजु़गों को गौरवपूर्ण और सम्मानित जीवन जीने के लिए बच्चों और अन्य सदस्यों को प्रेरित किया जाए।

अगस्त में शुरू हुई था कार्यक्रम-

जालोर-सिरोही सांसद लुंबाराम चौधरी ने कहा कि आज यह जो अभियान शुरू किया जा रहा है हमें आशा है कि इससे समाज को निश्चित रूप से लाभ मिलेगा।



ब्रह्माकुमारीज यंस्थान द्वारा समाज के सभी वर्ग के लिए अनेक कल्याणकारी कार्य किए जा रहे हैं। प्रभाग के केरल संयोजक प्रो. स्वामीनाथन भाई ने कहा कि अधियान का राष्ट्रीय शुभारंभ अगस्त- 2025 में राष्ट्रपति भवन से राष्ट्रपति द्वारपदी मुर्मु द्वारा किया गया। अब तक देशभर में एक हजार से अधिक कार्यक्रम हो चुके हैं। एमओयू के तहत तीन साल में पूरे भारत को कवर किया जाएगा। ये भी रहे माजूद: मार्पिक तरीके से समाज की वर्तमान स्थिति का दर्शाता नुकड़ नाटक पेश किया गया, जिसे देश सभी भावविभोर हो गए। समाज सेवा प्रभाग के राष्ट्रीय संयोजक बीके अवतार भाई ने स्वागत भाषण दिया। बीके विजय लक्ष्मी दीदी ने राजगोप मेडिटेशन से सभी को शांति की गहन अनुभूति कराई। मधुरवाणी ग्रुप के कलाकारों ने स्वागत गीत प्रस्तुत किया। संचालन गुरुग्राम ओआरसी की बीके विद्यात्री बहन ने किया। आभार समाजसेवा प्रभाग के मुख्यालय संयोजक बीके बींद्रें भाई ने माना।

केंद्रीय मंत्री ने किया ओल्ड
एज होम और सोलार पावर
प्लांट का अवलोकन

केंद्रीय मंत्री डॉ. कुमार ने ब्रह्माकुमारीज संस्थान द्वारा संचालित ओल्ड एज होम का भी अवलोकन किया। इस दौरान उन्होंने वहाँ की व्यवस्थाएं साफ साफ़ ई. मैनेजमेंट, लोगों की आत्मीयता देखकर इसे आदर्श द्वादश्रम बताया। साथ ही सोलार थर्मल पावर प्लॉट का भी भ्रमण किया। इसके अलावा दादी कॉटेज में अतिरिक्त मुख्य प्रशासिक राजयोगिनी बीके मुत्री दीदी से स्नेह मुलाकात की। इस दौरान दीदी ने उनका सम्मान कर स्मृति चिंह भेट किया।

एमओयू का उद्देश्य-

- » वरिष्ठ नागरिकों को आध्यात्मिकता एवं आत्मिक उत्थान में सक्रिय रूप से सम्मिलित करने के लिए एक मंच तैयार करना।
 - » वरिष्ठ नागरिकों को उनके शारीरिक, मानसिक, सामाजिक एवं आध्यात्मिक स्वास्थ्य की देखभाल के महत्व को समझाना।
 - » वानप्रस्थ की भावना को जागृत करना एवं अपने अनेकों व ज्ञान को नई पीढ़ी को साँपें की जिम्मेदारी का बोध कराना।
 - » पीढ़ियों के बीच की दूरी को कम करना एवं परिवारों में दादा-दादी/नाना-नानी का बच्चों से स्नेहपूर्ण संबंध स्थापित करना।
 - » वरिष्ठ नागरिकों की प्रतिभा को उभार कर उन्हें प्रसन्न व सामाजिक बनाना और भारतीय संस्कृति को बढ़ावा देना।
 - » समुदाय तक पहुंच और जन जागरूकता द्वारा परिवार और समाज में वरिष्ठ नागरिकों के करना।
 - » प्रारम्भ सेवाओं को सशक्त बनाना।

इन्होंने भी व्यक्त किए विचार-

- » महासचिव राजयोगी बीके करुणा भाई ने कहा कि घर के बड़े-बुजुर्ग अपना समय ज्यादा से ज्यादा ईश्वर की याद में लगाएं इससे पूरे परिवार को छत्रछाया मिलती रहेगी और जीवन सुखमय बन जाएगा।

» संयुक्त मुख्य प्रशासिका व समाजसेवा प्रभाग की राष्ट्रीय अध्यक्ष राजयोगिनी बीके संतां श्री दीदी ने कहा कि हमारी दादियों ने जीवन के अंत समय तक सेवा की। ब्रह्मा बाबा ने जीवन की अंतिम घड़ियों तक ज्ञान सुनाया। बाबा 93 उम्र की आयु में भी सीधे बैठकर मेडिटेशन करते थे। जीवन को समाजसेवा में लगाएं और देने का भाव रखेंगे, तो कभी बुजुर्ग नहीं होंगे।

» ओआरसी की निदेशिका बीके आशा दीदी ने कहा कि गौरवपूर्ण वृद्धावस्था को स्वीकार करने के लिए जरुरी है कि हम सभी को प्यार दें, आशीर्वाद और दुआ दें।

» जयपुर सबजोन की प्रभारी राजयोगिनी बीके सुषमा दीदी ने कहा कि ब्रह्माकुमारीज के संस्थापक ब्रह्मा बाबा ने 60 वर्ष की आयु में परमात्मा के आदेशानुसार इस विश्व विद्यालय की नींव रखी। नई शुरुआत करने के लिए उम्र कोई मायने नहीं रखती है।



ओआरसी में तीन दिवसीय राष्ट्रीय महिला सम्मेलन आयोजित

ગુજરાત જોન કી હીરક જયંતી પર ચલાયા જા રહા ટુ બિલ્યન મિનિટ્સ ઓફ પીસ અપીલ આમિયાન

अहमदाबाद। ब्रह्माकुमारीज के गुजरात जोन द्वारा संस्थान की गुजरात में हीरक जयंती (सेवाओं के 60 वर्ष पूर्ण होने पर) पर टू बिलियन मिनिट्स ऑफ पीस अपील परियोजना चलाई जा रही है। इसकी शुरुआत यूनाइटेड नेशन डे पर 24 अक्टूबर को की गई थी, जिसका समापन विश्व ध्यान दिवस 21 दिसंबर को होगा। इस परियोजना का उद्देश्य राजयोग मेडिटेशन के माध्यम से विश्व की दुखी, अशांत आत्माओं, लोगों को शांति का दान करना है। उन्हें मेडिटेशन से पवित्र, शक्तिशाली, सहयोग के शुभ प्रकम्पन देना है। इसमें बच्चों से लेकर बुजु़गों भाग ले रहे हैं। इससे स्कूल-कॉलेज, शैक्षणिक संस्थाओं सहित फैक्ट्री में लोगों को जोड़ा जा रहा है। सभी से शांति के दान का एक प्रपत्र भरवाया जा रहा है, जिसमें लोग अपने क्षमता अनुसार दिन के कितने मिट्टन शांति का दान कर सकते हैं वह भरवाया जा रहा है। समापन पर इसकी रिपोर्ट युनाइटेड ऑफ प्रस्तुत की जाएगी।

શિવ આમંત્રણ, બડોદરા, ગુજરાત

टू बिलियन मिनट्स ऑफ पीस अपील परियोजना का शुभारंभ बड़ोदरा के अटलादरा सेवाकेंद्र में 'बिलियन मिनट्स ऑफ पीस अपील-विश्व शांति परियोजना' का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर सकारात्मक ऊर्जा से ओतप्रोत अनेक गणमान्य अतिथि, समाजसेवी, शिक्षाविद् और नागरिक कार्यक्रम में उपस्थित रहे। कार्यक्रम में राजमाता शुभार्गिनीदेवी राजे गायकवाड़, एमएस यूनिवर्सिटी के वाइस चांसलर भालचंद्र भांगने, आईएए के प्रेसिडेंट डॉ.मित्रेश भाई शाह, डिप्टी कमिश्नर सुरेश भाई तुवेर, छात्र संसद संस्थापक कुणाल भाई शर्मा, दिल्ली नोयडा से बीके डॉ. प्रमोद कुमार मुख्य रूप से मौजूद रहे।

परियोजना का उद्देश्य-

इस परियोजना का उद्देश्य आज विश्व में अशांति और तनाव के बढ़ते वातावरण में समाज को अंतरिक शांति और ध्यान की ओर प्रेरित करना है। इसके अंतर्गत प्रत्येक व्यक्ति से प्रतिदिन कम से कम पाँच मिनट और अधिक जो जितना भी चाहे उतना शांति के शुभ भाव मन में रखकर ध्यान और शुभचिंतन करने की अपील की गई है, ताकि 100 करोड़ मिनट शांति के सामूहिक अभ्यास से विश्व में शांति के वातावरण की लहर प्रवाहित हो और शांति के प्रवाह द्वारा सकारात्मक वातावरण निर्माण में सबके द्वारा योगदान दिया जा सके।

सकारात्मक वातावरण बनाना-

बीके डॉ प्रमोद कुमार भाई ने शांति का लक्ष्य और उद्देश्य स्पष्ट करते हुए कहा कि संबंध कामकाज करियर आदि जीवन के किसी भी क्षेत्र में सबसे पहली आवश्यकता शांति ही होती है और आज विश्व में सभी इसकी बहुत गहरी आवश्यकता महसूस कर रहे हैं। इसी शांति को सारे वैशिक वातावरण में फैलाकर एक सकारात्मक वातावरण बनाना



डिप्टी कमिशनर सुरेश भाई तुवर ने कहा कि इस वैशिक शांति के शुभ कार्य में सहभागी बन रहे हैं आप सभी एक दिव्य आत्मा हैं। कुनाल शर्मा ने अपने उत्साह पूर्ण वक्तव्य में कहा कि मैंने कुछ महीनों पहले पहली बार मारंट आबू ब्रह्माकुमारीज हेड व्हार्टर में जाकर मेडिटेशन का एक्सपरियंस किया। सेवाकेंद्र इंचार्ज बीके डॉ. अरुण बहन कहा कि जिस चीज की जीवन में कमी होती है उसी चीज की डिमांड की जाती है आज सभी शांति चाहते हैं लेकिन शांति ही नहीं लेकिन खुशी प्रेम शक्ति और आनंद भी जीवन के अनिवार्य अंग हैं। संचालन सेवाकेंद्र सहसंचालिका बीके पूनम दीदी ने किया। समापन पर ब्रह्माभोजन का आयोजन किया गया।

लवली यूनिवर्सिटी में पीस परियोजना का शुभारंभ

जालंधर, पंजाब। प्रसिद्ध लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी के शांति देवी मित्तल ऑडिटोरियम में बहाकुमारी ज द्वारा चलाए जा रहे टू बिलियन मिनट्स ऑफ पीस अपील परियोजना का भव्य सुभारंभ किया गया। इसमें मुख्य वक्ता के रूप में पधारीं पंचकूला की डायरेक्टर राजयोगिनी वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका अनीता दीदी ने बताया कि शांति मानव जीवन की सबसे बड़ी आवश्यकता है। मेंडिटेशन हमारे मन को सच्ची शांति और एकाग्रता प्रदान करती है। उन्हें सभी को राजयोग मेंडिटेशन का अभ्यास भी कराया।

उन्होंने कहा कि 1986 में ब्रह्माकुमारीज ने अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर 'मिलियन मिनट्स ऑफ़ पीस' प्रोजेक्ट शुरू किया था परन्तु बिलियन मिनट्स ऑफ़ पीस एकत्रित किए। जिसके लिए संस्था को यूनाइटेड नेशन्स की तरफ से पीस मैसेंजर अवार्ड भी दिया गया था। आज के समाज में सबसे ज्यादा जरूरत शांति की ही है। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि वे टू

पीस एकत्रित करने नींव रखता है। बी.के डॉ. राधिका गुप्ता ने द्वयोग करें। विद्यार्थियों को इस पीस प्रोजेक्ट में हिस्सा लेने

धिका गुप्ता (असिस्टेंट लेबोरेटरी ने विद्यार्थियों की विधि समझाई। इस अवसर पर ब्रक संधीया बहन

(सेवाकेंद्र प्रभारी जालधर), ब्र.कु लक्ष्मी बहन (सेवाकेंद्र प्रभारी कृपूथला) भी उपस्थित रहे। लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी कि प्रो चासलर रशिम मितल ने ब्रह्माकुमारीज के समय प्रति समय समाज को बेहतर बनाने के इन प्रयासों की प्रशंसा की। उन्होंने अंत में अनीता दीदी को शॉल ओढ़ाकर एवं मोमेटो देकर सम्मानित किया।



मालिया हाटीना, गुजरात। टू बिलियन निनिट्स ऑफ पिस अपील प्रोजेक्ट का शुभारंभ करते सामाजिक कार्यक्रम महेंद्रभाई गांधी, पटेल समाज के अगणी देवजीगाई पटेल, डॉ. जयतीगाई वाणीनि, डॉ. जतिनभाई देसाई, भगवानजीगाई पटेल तथा ब.कु. रुपा बहन, ब.कु. मीता बहन और ब.कु. गीता बहन।



समाज सेवा प्रभाग का राष्ट्रव्यापी अभियान : संगम : गौरवपूर्ण वृद्धावस्था एवं सम्मानित जीवन

बुजुर्गों का स्नेह बच्चों के चरित्र निर्माण का आधार



शिव आमृतानन्द, छत्तीसगढ़, झारखण्ड

ब्रह्माकुमारीज के समाज सेवा प्रभाग द्वारा चलाए जा रहे राष्ट्रव्यापी अभियान संगम गौरवपूर्ण वृद्धावस्था एवं सम्मानित जीवन विषय पर पैटिंग टाउन में कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें बीके रेखा बहन ने सकारात्मक चिंतन जीवन में क्यों आवश्यक

है विषय पर प्रकाश डाला। बीके कल्पना बहन ने कहा कि हमारे जिन मात-पिता ने हमें खुली हवा में सांस लेना सिखाया, अपने पैरों पर खड़ा किया, हमारे अंदर संस्कारों का सृजन किया आज उन्हें बुजुर्गों को हमने अकला पुल बनकर जोड़ने का कार्य करिये। अंत में सभी बुजुर्गों का तिलक, उपर्यां औंडाकर ब्रह्माकुमारी बहनों द्वारा सम्मान किया गया।

सीख सकते हैं, क्योंकि उनका निष्वार्थ प्रेम, स्नेह और आशीर्वाद ही बच्चों के चरित्र के निर्माण का आधार है। इसलिए खुद भी अपने माता-पिता से जुड़िए और अपने बच्चों को पुल बनकर जोड़ दिया। इस अकेलेपन के कारण वह स्वयं को कमज़ोर समझने लगे हैं। हमारे जो बच्चे हैं वह उनकी गोद में ही श्रेष्ठ संस्कार

सदा बुजुर्गों का सम्मान और आदर करना चाहिए: बीके प्रीति दीदी



चंदला, मध्य प्रदेश | ब्रह्माकुमारीज सेवाकेंद्र पर समाजसेवा प्रभाग द्वारा चलाए जा रहे संगम-गौरवपूर्ण वृद्धावस्था एवं सम्मानित जीवन आयोजित किया गया। सेवाकेंद्र प्रभारी बीके भारती दीदी ने सभी बुजुर्गों का सम्मान तिलक और पट्टा पहनाकर किया। राजयोग मेडिटेशन से सभी को शांति की गहन अनुभूति कराई।

सड़क दुर्घटना में मृतकों को आत्मिक शांति के लिए किया योग

शिव आमृतानन्द, इंदौर, मध्य प्रदेश

ब्रह्माकुमारीज के यातायात एवं परिवहन प्रभाग द्वारा सड़क दुर्घटनाओं में मृतकों को श्रद्धांजलि देने एवं दुर्घटना में पीड़ित व्यक्तियों तथा उनके परिवारों को मानसिक संबल देने के लिए विश्व यादागार दिवस मनाया गया।

ज्ञान शिखर ओमशांति भवन में आयोजित कार्यक्रम में यातायात विभाग के डीसीपी आनंद कलादीपी ने कहा कि जैसे इंदौर स्वच्छता में नंबर वन है, ऐसे हमें सुरक्षित यातायात में भी अपने शहर को नंबर वन बनाना है। इसके लिए रोड एक्सीडेंट के अंकड़ों को जीरो बनाने का हम सबको मिलकर प्रयास करना होगा। उन्होंने इंदौर ट्रैफिक पुलिस द्वारा चलाए जा रहे 'ट्रैफिक प्रहरी' अभियान से जुड़ने का आह्वान किया।



इंदौर जोन की निदेशिक बीके हेमलता दीदी ने कहा कि यह दिवस हमें स्मरण दिलाता है कि हम एक पिता की संतान हैं। सारा विश्व हमारा परिवार है। अतः अपने अमूल्य जीवन की रक्षा के साथ-साथ विश्व परिवार की सुरक्षा के लिए दूसरों को ना देख अपने अंदर सुधार लाना ही समझदारी है। स्वयं में दृढ़ता पूर्वक संकल्प कराई। बीके शशि बहन ने यातायात नियमों का पालन करने की शपथ दिलाई।

नीमच: हर हाल में खुशहाल विषय पर कार्यक्रम आयोजित, बीके गिरीश ने बताए खुशहाली के मंत्र

हमारे अंदर की कमियां ही खुशी को नष्ट करती हैं

शिव आमृतानन्द, नीमच, मध्य प्रदेश

कोई व्यक्ति जो किसी हीरो- हीरोइन का फैन होता है तो उनके जैसा हेयर स्टाइल, ड्रेस या टैटू बनवाकर उन्हें फॉलो करता है। हम भी 33 करोड़ देवी-देवताओं के प्रति श्रद्धा भावना रखते हुए पूजा-पाठ तो करते हैं किन्तु उनके जैसी चौहरे पर मुस्कुराहट अथवा उनका एक भी गुण क्या अपने में धारण करने की कोशिश करते हैं? हमारे अंदर की कमियां ही खुशी को नष्ट करती हैं। खुशी किसी देवता के वरदान या आशीर्वाद से नहीं मिलती है। ये तो हमें अपने कारणों को जानकर उसका निवारण खुद को ही करना होगा तो हमारा जीवन खुशहाल बन जाएगा। उपरोक्त विचार प्रसिद्ध प्रेरक वक्ता प्रोफेसर ईवी गिरीश ने ब्रह्माकुमारीज सेवाकेंद्र



पर आयोजित कार्यक्रम में व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि यदि हम राजयोग मेडिटेशन से अपने मनोभावों की नियंत्रण करना सीख जाएं तो अनेकानेक रोगों से बचा जा सकता है। इस दौरान जज कुलदीप जैन, नपा अध्यक्ष स्वाति चौपडा, भाजपा जिलाध्यक्ष बंदना खेंडलवाल, मेडिकल कॉलेज के डीन आदित्य बेरेड, ज्ञानोदय विश्वविद्यालय की कुलाधिपति माधुरी चौरसिया, पूर्व विधायक नंदकिशोर पटेल, नीमच के निदेशक बीके सुरेंद्र भाई सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

सार समाचार



हरपालपुर, मध्य प्रदेश | संगम-गौरवपूर्ण वृद्धावस्था एवं सम्मानित जीवन राष्ट्रव्यापी अभियान के अंतर्गत ब्रह्माकुमारीज के दिव्य धार्म में बीके आशा दीदी के नेतृत्व में वरिष्ठ नागरिक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इसमें भाजपा मंडल अध्यक्ष अजीत सिंह, समाजसेवी महेश राय, जैनेंद्र जैन, किशन दास सोनी सहित वरिष्ठ वृद्धजन उपस्थित रहे।



चंदला, मध्य प्रदेश | ब्रह्माकुमारीज सेवाकेंद्र पर समाजसेवा प्रभाग द्वारा चलाए जा रहे संगम-गौरवपूर्ण वृद्धावस्था एवं सम्मानित जीवन आयोजित किया गया। सेवाकेंद्र प्रभारी बीके भारती दीदी ने सभी बुजुर्गों का सम्मान तिलक और पट्टा पहनाकर किया। राजयोग मेडिटेशन से सभी को शांति की गहन अनुभूति कराई।



पन्ना, मध्य प्रदेश | ब्रह्माकुमारीज के समाजसेवा प्रभाग द्वारा चलाए जा रहे देशव्यापी अभियान गौरवपूर्ण वृद्धावस्था एवं सम्मानित जीवन के तहत वृद्धजन सम्मान समारोह आयोजित किया गया। लोकसेवा के वरिष्ठ नागरिकों के लिए कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें पूर्व कैबिनेट मंत्री कुसुम सिंह मेहदेल, पूर्व प्राचार्य निशा जैन, सेवाकेंद्र प्रभारी बीके सीता दीदी ने अपने विचार व्यक्त किए। इस दौरान सभी वरिष्ठ नागरिकों का सम्मान भी किया गया।



लवकुश नगर, मध्य प्रदेश | ब्रह्माकुमारीज के समाज सेवा प्रभाग के बैनर तले संगम- गौरवपूर्ण वृद्धावस्था एवं सम्मानित जीवन आयोजित किया गया। इसमें उप सेवाकेंद्र संचालिका सुलेखा बहन ने सभी को राजयोग मेडिटेशन कराया। सभी बहाँओं ने अपनी सास का चुनरी, माला, तिलक एवं आरती उतारकर सम्मान किया और उनके दीर्घायु अच्छे स्वास्थ्य की कामना की। वृद्धाश्रम संचालिका विमला साह, प्रियंका द्विवेदी भी मौजूद रहीं।



खजुराहो, मध्य प्रदेश | ब्रह्माकुमारीज द्वारा संगम-गौरवपूर्ण वृद्धावस्था एवं सम्मानित जीवन अभियान के तहत ग्राम जटकारा में बुजुर्गों का सम्मान किया गया। इस दौरान बीके नीरजा बहन ने कहा कि बुजुर्ग बोझ नहीं, बल्कि हमारे घर के वैद्य होते हैं क्योंकि कुछ भी दर्द हो रहा हो तो उनके पास कुछ ना कुछ ऐसे नुस्खे होते हैं, जिससे हम उस बीमारी और समस्या से सहज ही छुटकारा पा सकते हैं। बुजुर्ग ही हैं जो अपने अनुभव द्वारा हमें आगे बढ़ाने की प्रेरणा देते हैं। हमें जीवन के अनुभव, परंपराएं, संस्कृति बुजुर्गों से ही सीखने को मिलती हैं।



ज्लोबल एनलाइटनमेंट रिट्रीट सेंटर का शुभारंभ

यह रिट्रीट सेंटर लोगों को आंतरिक स्थिरता, एकता और नैतिक जीवन की ओर प्रेरित करेगा : राज्यमंत्री

शिव आमृतनंद, कोलकाता

ब्रह्माकुमारीज के कोलकाता म्यूज़ियम के तहत नवनिर्मित 'ग्लोबल एनलाइटनमेंट रिट्रीट सेंटर' का उद्घाटन संस्था की अंतिरिक्त मुख्य प्रशासिक राज्ययोगिनी बीके जयन्ती दीदी, अंतिरिक्त महासचिव डॉ. बीके मृत्युजय भाई, राज्य परिवहन मंत्री दिलीप मोडल व अन्य अंतिरिक्त द्वारा किया गया। इस मौके पर संस्था की वर्षिक थीम- एकता और विश्वास का वर्ष का भी शुभारंभ किया गया। जिसका उद्देश्य समाज में सद्ब्राव, परस्पर विश्वास और सामूहिक शक्ति का विकास करना है।

उद्घाटन समारोह में राज्य परिवहन मंत्री दिलीप मोडल ने कहा कि ग्लोबल एनलाइटनमेंट रिट्रीट सेंटर की स्थापना पश्चिम बंगाल के लिए गर्व का विषय है। जब पूरा विश्व शांति और दिशा की खोज में है, यह केन्द्र लोगों को आंतरिक स्थिरता, एकता और नैतिक जीवन की ओर प्रेरित करेगा। न्यायमूर्ति विश्वरूप चौधरी ने कहा कि यह आध्यात्मिक रिट्रीट सेंटर समाज के लिए एक आशीर्वाद सिद्ध होगा। संस्था की अंतिरिक्त मुख्य प्रशासिक



राज्ययोगिनी बीके जयन्ती दीदी ने कहा कि सच्ची एकता तब आरंभ होती है जब हम परम स्रोत से जुड़कर अपनी आंतरिक दिव्यता को पहचानते हैं। यह केन्द्र समाज में एकता, प्रकाश और सकारात्मक परिवर्तन का माध्यम बनेगा। अंतिरिक्त महासचिव डॉ. बीके मृत्युजय भाई ने कहा कि यह केन्द्र मूल्य-आधारित नेतृत्व प्रशिक्षण, मौन साधना, अनुभवात्मक कार्यशालाओं और ध्यान सत्रों के लिए एक शांत और समग्र बातावरण प्रदान करेगा। इससे प्रतिभागियों को शांति, सकारात्मकता और आत्मबल

को अपने व्यक्तिगत एवं व्यावसायिक जीवन में समाहित करने में सहायता मिलेगी। पूर्वी जोन की जोनल इंचार्ज बीके कनन दीदी ने आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह केन्द्र जीवन के हर क्षेत्र कॉर्पोरेट जगत, शिक्षा, स्वास्थ्य, युवा वर्ग और गृहस्थ जीवन से जुड़े लोगों को संतुलन, स्पष्टता और आंतरिक शक्ति प्रदान करने का मंच बनेगा। इस मौके पर आईएएस दुश्यंत नारियाला, पूर्व पुलिस महानिदेशक वीरेन्द्र कुमार, मर्लिन शूप के फाउंडर सुशील मोहता सहित बड़ी संख्या में बीके भाई-बहन मौजूद रहे।

सफलता के लिए अनुशासन, समय प्रबंधन, अध्ययन, रसारथ्य सबसे जरूरी : कर्नल चौहान



सागर, मण्डि। ब्रह्माकुमारीज के नरयावली सेवाकेंद्र द्वारा सीएन राइज हायर सेकेन्डरी स्कूल में सेमीनार आयोजित किया गया। इसमें मोटिवेशनल स्पीकर इटायर कर्नल विकास चौहान ने कहा कि विद्यार्थी जीवन में हमें इस सत्य को पहचानकर अपने लक्ष्य को केवल करियर तक सीमित नहीं रखना चाहिए, बल्कि यहाँ निर्माण, आत्मानुसायन और आत्मज्ञान को भी अपना लक्ष्य बनाना चाहिए। नियमित अध्ययन, समय का सदृश्योग, रसारथ्य का व्यान और सकारात्मक संगति ये सभी लक्ष्य प्राप्ति की सीढ़ियां हैं। बीके लंबी बहन ने मोटिवेशन से गहन शारि की अनुगृहीत कराई। बीके निधि बहन ने भी अपने विचार व्यक्त किए।

संबलपुर के पावन सदोवेद सेवाकेंद्र का 47वां वार्षिक उत्सव मनाया

शिव आमृतनंद, संबलपुर, उड़ीसा। ब्रह्माकुमारीज के पावन सदोवेद सेवाकेंद्र का 47वां वार्षिक उत्सव मनाया गया। इसमें संचालिका बीके पार्वती दीदी ने सेवाओं के बारे में बताया। वहाँ दिलीप से पृथिवी प्रेरक वत्ता व कार्डियोलॉजिस्ट बीके डॉ. मोहित वर्मा ने अपने जीवन का प्रेरणादाइ अनुभव बताते हुए सभी को नोटिवेट किया। इस दौरान हीराकुंद हिंडल्को के सुनित मुख्यर्जी, वीर सुरेन्द्र साह पौद्योगिकी विश्व विद्यालय के कूलपति पो. दीपक कुमार साह, वीर सुरेन्द्र साह मॉडिकल कॉलेज के अध्यक्ष प्रो. डॉ. पदीप कुमार महानित ने भी अपने विचार व्यक्त किए।



थॉट लैब और लैप प्रोग्राम की दो दिवसीय रिट्रीट आयोजित

शिव आमृतनंद, सिकंदराबाद, तेलंगाना

ब्रह्माकुमारीज के साइलेंस रिट्रीट सेंटर में शिक्षा प्रभाग द्वारा चलाए जा रहे लैप प्रोग्राम के तहत ट्रेनिंग आयोजित की गई। स्पष्टता, करुणा और जागरूकता से शिक्षकों को सशक्त बनाना विषय पर आधारित इस दो दिवसीय रिट्रीट में 100 से अधिक शिक्षकों जिनमें डीन, प्रिंसिपल और प्रोफेसर ने भाग लिया। इस रिट्रीट का उद्देश्य शिक्षकों में आंतरिक चिंतन, मूल्यान्विषयक शिक्षा और राजयोग ध्यान के माध्यम से आत्म-सशक्तिकरण को प्रोत्साहित करना था। कार्यक्रम में प्रब्लेम शिक्षाविदों और ब्रह्माकुमारीज के वैराग्य फैकल्टी सदस्यों ने अपने अनुभव एवं ज्ञान साझा किए। इसके पश्चात मूल्य शिक्षा के भविष्य का निर्माण



विषय पर एक पैनल चर्चा आयोजित की गई। रिट्रीट में लैप प्रशिक्षण बीके शिक्षकों और विद्यार्थियों के लिए आयोजित किया गया। बहन, जयपुर से आए बीके प्रो. मुकेश भाई तथा जयपुर स्थित थॉट लैब की काउंसलर बीके चित्रा बहन ने सभी प्रशिक्षणार्थियों को लैप प्रोग्राम और थॉट लैब के बारे में बताया।



फरीदाबाद, हरियाणा। दिल्ली से वृद्धावन के लिए निकली सनातन हिन्दू एकता पदयात्रा में बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री को बीके रंजना दीदी ने ईश्वरीय सौगात भेंट कर माउंट आबू आने का निमंत्रण दिया। बीके शिखा बहन, स्वाति बहन भी मौजूद रहीं।



दिल्ली। ब्रह्माकुमारीज की ओर से मीडिया कोऑर्डिनेटर बीके ज्योति बहन ने देश के प्रमुख टीवी चैनलों के एक एवं मीडिया निदेशक से मूलाकात कर उन्हें ईश्वरीय सौगात भेंट की एंव माउंट आबू आने का निमंत्रण दिया। न्यूज 24 के एमडी अजय आजाद को स्मृति चिंह भेंट करते हुए बीके ज्योति बहन और बीके मीरा बहन।



कामठी, महाराष्ट्र। स्टेट ड्रग इन्फार्मेशन सेंटर द्वारा मेड सेफ्टी कैपेन चलाया गया। इसके तहत सेवाकेंद्र पर आयोजित कार्यक्रम में फार्मासिस्ट निशा राऊत ने विभिन्न मेडिसिन की जानकारी देते हुए उनसे होने वाले साइड इफेक्ट के बारे में बताया। साथ ही लोगों को बिना डॉक्टर की परामिशन के दवाइयां खाने से जागरूक किया। सेवाकेंद्र संचालिका बीके प्रेमलता दीदी और फार्मासिस्ट संगीता भिवगड़े ने भी अपने विचार व्यक्त किए।



बहादुरगढ़, हरियाणा। शेवाकेंद्र द्वारा श्रीमद भगवद गीता ज्ञानयज्ञ का आयोजन किया गया। इसमें भागवत गीताज्ञन विशेषज्ञ कर्नाटक के सिरसी से पथारी बीके वीरा दीदी ने गीता में छिपे जीवन के अनमोल रहस्यों को उजागर किया। इस दौरान नगर परिषद के पूर्व अध्यक्ष करमबीर राठी, बीके अंजली दीदी, बीके विनिता दीदी सहित अन्य लोग मौजूद रहे।



मालनपुर, ग्वालियर, मध्य प्रदेश। ब्रह्माकुमारीज के शिपिंग, एविएशन एवं टूरिज्म विंग द्वारा चलाए जा रहे देशव्यापी अभियान मेरा देश मेरी शान के तहत कई इंडस्ट्रीज, औद्योगिक संस्थान और स्कूलों में जन जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। उपरोक्त वित्र में केएस नर्सिंग कॉलेज में आयोजित कार्यक्रम में दिल्ली से आए प्रेरक वक्ती बीके पीयूष भाई, पंजाब अंबाला से आई बीके शैली दीदी, मालनपुर रिट्रीट सेंटर की निदेशिका बीके ज्योति दीदी, बीके प्रहलाद भाई ने अपने विचार व्यक्त किए।



धमतरी में किसान सम्मेलन आयोजित, बड़ी संख्या में किसानों ने लिया भाग

जैविक-यौगिक खेती समय की मांग है: कृषि मंत्री



शिव आमंत्रण, धमतरी, छग

ब्रह्माकुमारीज के सेवाकेंद्र पर किसान सम्मेलन आयोजित किया गया। इसमें बड़ी संख्या में किसानों ने भाग लिया। सम्मेलन में छत्तीसगढ़ के कृषि मंत्री रामविचार नेताम ने कहा कि ब्रह्माकुमारीज द्वारा किसानों के कल्याण के लिए बहुत ही सराहनीय सेवाएं की जा रही हैं। अध्यात्म से हमारे जीवन में परिवर्तन आता है। प्राकृतिक, जैविक खेती,

यौगिक खेती समय की जरूरत है।

इस मौके पर संस्थान के कृषि एवं ग्राम विकास प्रभाग के उपाध्यक्ष राजू भाई ने कहा कि यौगिक खेती से किसानों की आर्थिक खुशहाली के साथ मानसिक खुशहाली भी आएगी। इंदौर जोन की क्षेत्रीय निदेशिका बीके हेमलता दीदी ने कहा कि अध्यात्म में सभी समस्याओं का समाधान समाया हुआ है। अध्यात्म के समावेश से किसानों का जीवन बदलेगा।

महापौर रामू रोहरा ने कहा कि संस्थान की सेवाएं सराहनीय हैं। सेवाकेंद्र की संचालिका बीके सरिता दीदी ने सभी का स्वागत किया और सम्मेलन के उद्देश्य पर प्रकाश डाला।

इस मौके पर नेहरु निषाद पिछड़ा वर्ग आयोग अध्यक्ष अरुण सारावा, जिला पंचायत अध्यक्ष सहित बड़ी संख्या में कई ग्रामों के सरपंच, सभापति, कृषि अधिकारी, कृषि विज्ञान केंद्र के अधिकारी, जनप्रतिनिधि और किसान भाई-बहने मौजूद रहे।

श्रेष्ठ संकल्पों से बनेगा स्वर्णिम संसार : बीके सूर्य भाई



बैतूल, मप्र। ब्रह्माकुमारीज के सेवाकेंद्र भाग्यविधाता भवन में सकारात्मक सोच का विज्ञान विषय पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें मार्टिन आबू सै पधारे ब्रह्माकुमार सूरज भाई जी ने कहा कि सकारात्मक सोच कोई कल्पना नहीं, बाल्कि आत्मा की मौलिक अवस्था है और हमारे विचारों का प्रकृति और हमारे भविष्य दोनों को प्रभावित करते हैं। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री दीदी उड़ैके, नपा अध्यक्ष पार्वती बारस्कर, भाजपा जिला अध्यक्ष सुधाकर पवार, डॉ. मनीष लक्ष्मण, तहसीलदार गोवर्धन पाटे, गुरुद्वारा गुरुसिंग सभा के प्रधान सरबजीत सिंह वालिया सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे। सेवाकेंद्र प्रभारी बीके मंजू दीदी ने सभी को मेडिटेशन सीखने की सलाह दी।

योग भवन में दिव्यांगों को बांटी राशन किट



शिव आमंत्रण, घाटकोपर, मुंबई। ब्रह्माकुमारीज योग भवन मुंबई घाटकोपर सबजान द्वारा नेशनल फेडरेशन फॉर ब्लाइंड एसोसिएशन के नेत्रहीन भाई-बहनों के लिए राशन किट वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया। यह प्रेरणादायक कार्यक्रम ब्रह्माकुमारीज पीस पार्क, घाटकोपर में आयोजित किया गया, जिसमें 200 से अधिक लोगों ने भाग लिया।

सबजान इंचार्ज राजयोगिनी बीके शकु दीदी, बीके निकंज भाई, वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका बीके विष्णुप्रिया दीदी ने सभी को

हाश्य से सेवा करते हैं, तो ईश्वर की दिव्य आशीर्वाद से शांति और आनंद हमारे जीवन में स्वतः आ जाते हैं।

बीके शकु दीदी ने आत्मबल और आत्मनिर्भरता के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि सच्ची शक्ति इस बात में नहीं है कि हमारे पास क्या है, बल्कि इसमें है कि आत्मा अपनी चुनौतियों से ऊपर उठकर कैसे आत्मविश्वास बनाए रखती है। जब हम सच्चे

सार समाचार



लोधी रोड, दिल्ली। ब्रह्माकुमारीज सेवाकेंद्र पर संबोधी आयोजित किया गया। इसमें बीके विद्या दीदी, बीके गिरिजा दीदी और प्रेरक वक्ता बीके पीयूष भाई ने संबोधित किया। इस मौके पर अतिथि के रूप में इंडियन ऑयल की सीजीएम अंजलि भावे सहित अन्य भाई-बहन मौजूद रहे।



नई दिल्ली। यंग स्टार्स क्रिकेट लीग सीजन-4 में कार्यक्रम के आयोजक और यंग स्टार्स क्रिकेट लीग के चेयरमैन राहुल अरोड़ा ने ब्रह्माकुमारी सुधा दीदी को “गेस्ट ऑफ ऑनर” के रूप में स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि ध्यान जीवन में सफलता और संतुलन का आधार है। यह हमें तनाव, प्रतिस्पर्धा और असफलता के भय से मुक्त करता है।



रांची, झारखण्ड। प्रवचनकर्ता गुरुमां मीरा के रांची अग्रसेन भवन पर ब्रह्माकुमारी निर्मला दीदी, अखिल भारतीय महिला मारवाड़ी सम्मेलन की पूर्व अध्यक्ष नीरा बथवाल ने शॉल ओढ़ाकर अभिनन्दन किया और ईश्वरीय सौगत प्रदान की।



जालंधर, पंजाब। जालंधर के आदर्श नगर स्थित ब्रह्माकुमारीज सेवाकेंद्र पर दो दिवसीय योग-तपस्या भट्टी का आयोजन किया गया। इसमें पंचकूला की डायरेक्टर बीके अनीता दीदी ने जीवन में योग-साधना बढ़ाने के उपाय बताए। इसमें पंजाब सहित हिमाचल प्रदेश से भी भाई-बहनों ने भाग लिया। बीके कमल दीदी, जालंधर प्रभारी संधिरा दीदी, सह प्रभारी बीके विजय दीदी, कपूरश्ला की बीके लक्ष्मी दीदी ने भट्टी की क्लास करवाई।



मालिया हाटीना, गुजरात। नशमुक्त भारत अभियान की शुरुआत सांसद सभ्य राजेशभाई चूडासमा, विधायक भगवानीभाई करगिला, भाजपा जिला प्रमुख चंदुभाई मकवाना, जिला पंचायत प्रमुख हरेशभाई थुंबर, सरपंच जीतूभाई सिंसोदिया, सामाजिक कार्यकर्ता महेन्द्रभाई गांधी, हमीरभाई सिंसोदिया, बीके मीताबहन ने दीप प्रज्ञवलित कर की।



12 बेटियों ने विश्व सेवा में समर्पित किया जीवन

श्री आमृतं, सोनीपत, हरियाणा

ब्रह्माकुमारीज के सोनीपत रिट्रीट सेंटर में दो विशेष कार्यक्रम आयोजित किए गए। डिवाइन विजडम आर्ट गैलरी का उद्घाटन और 12 बेटियों का प्रभु समर्पण समारोह। इन दोनों आयोजनों ने श्रद्धा, उल्लास और अतिक्रम प्रेरणा से समूचे परिसर को अनुपम आभा से भर दिया। कार्यक्रम में पंजाब जोन (जिसमें पंजाब, हरियाणा, हिमाचल, जम्मू-कश्मीर और उत्तराखण्ड शामिल हैं)

से हजारों भाई-बहनों ने भाग लिया। रिट्रीट सेंटर में नवनिर्मित 'डिवाइन विजडम आर्ट गैलरी' का उद्घाटन ब्रह्माकुमारीज की संयुक्त मुख्य प्रशासिक बीके सुदेश दीदी एवं सोनीपत के विधायक निखिल मदान के करकमलों द्वारा किया गया। सोनीपत रिट्रीट सेंटर की निदेशिका बीके लक्ष्मी दीदी ने कहा कि सोनीपत शिक्षा का केंद्र है, इसलिए इस गैलरी का उद्देश्य युवाओं, समाज और परिवारों में विव्याता, नीतिकालीन और चरित्र की ऐष्ठता लाना है। विधायक

मदान ने कहा कि यह आर्ट गैलरी केवल चित्रों का संग्रह नहीं, बल्कि जीवन में परिवर्तन की प्रेरणा देती है। वहीं समर्पण समारोह में शिक्षित और समन्वय परिवारों की 12 बेटियों ने स्वेच्छा और आस्था से अपना जीवन ईश्वरीय सेवा हेतु समर्पित किया। संस्थान के अतिरिक्त महासचिव डॉ. प्रताप मिश्र ने कहा कि इन कन्याओं ने दिव्य बुद्धि के वरदान से शिव बाबा को सजन, माता, पिता, बंधु और सखा रूप में स्वीकार कर अपने जीवन को पूर्ण बना लिया है।

पुलिस ट्रेनिंग सेंटर में आयोजित कार्यशाला में बीके नारायण भाई बोले- जैसा हम सोचते हैं, वैसा ही कर्म करते हैं, जैसा कर्म होता है, वैसा ही फल भोगते हैं



श्री आमृतं, इंदौर, मध्य प्रदेश। ब्रह्माकुमारीज के जोनल मुख्यालय ओम शांति भवन न्यू पलासिया द्वारा पुलिस ट्रेनिंग सेंटर में तनाव व नशा मुक्त जीवन पर कार्यशाला आयोजित की गई। इसमें संपूर्ण मध्य प्रदेश से आए प्रशिक्षानार्थियों ने भाग लिया। कार्यशाला में धार्मिक प्रभाग के जोनल कोऑर्डिनेटर ब्रह्माकुमार नारायण भाई ने कहा कि मन अर्थात् विचार, सोच संकल्प। अगर मेरी सोच में यह बात आई नहीं तो खुशी- गम की फीलिंग नहीं होगी। इसका अर्थ यह हुआ कि जब तक हम विचार नहीं करेंगे, सोचेंगे नहीं तब तक ना ही खुशी, ना ही गम की फीलिंग आ सकती है। हम चाहे तो विचार करें या ना चाहे तो ना करें यह हमारे हाथ में है। हम चाहे तो विचारों को राई से पहाड़ बना

ले अथव पहाड़ को राई बना ले। विचारों को उल्टी दिशा में खींचकर ले जाएं या उसे विचार को सीधी दिशा में ले आए यह हमारे ऊपर निर्भर करता है। इसका रिपोर्ट कंट्रोल हमारे ही हाथ में है। केवल हमारे हाथ में हमारे विचार है कोई दूसरा हमारे लिए सोच नहीं सकता। जैसा हम सोचते हैं वैसा ही कर्म करते हैं जैसा कर्म होता है वैसा ही फल हम भोगते हैं। अतः क्या सोचा इसका फल इस शाश्वत सिद्धांत पर आधारित है कि यदि हम अच्छा सोचते हैं तो परिणाम खुशी अथवा सुख। उलटा सोचते हैं तो परिणाम ना खुशी, दुख की प्राप्ति होती है। वर्तमान तनाव का यही कारण है। बीके प्रमिला बहन ने कहा कि नशा हमें शारीरिक मानसिक रूप से नुकसान पहुंचाता है।

ब्रह्माकुमारीज द्वारा नगर में 53 वर्ष से जारी हैं ईश्वरीय सेवाएं

मेहसाणा में बनने वाले सेवाकेंद्र का भूमिपूजन

श्री आमृतं, मेहसाणा, गुजरात

ब्रह्माकुमारीज मेहसाणा के राधनपुर रोड पर बनने वाले नए भवन की नींव रखी गई। भूमिपूजन समारोह में बड़ी संख्या में संस्थान से जुड़े भाई-बहनों ने भाग लिया। बता दें कि छिले 53 वर्षों से शहर में संस्थान द्वारा ईश्वरीय सेवाएं की जा रही हैं।

संस्था के शहर में जेल रोड, गांधी नगर, लिंक रोड एवं मोदेरा रोड तीन स्थान पर सेवाकेन्द्र संचालित हैं। यह नवीन चौथे स्थान पर बनने वाले सेवाकेन्द्र के भूमिपूजन समारोह में विधायक मुकेश भाई पटेल, अर्बन बैंक के चेयरमैन डाहाराभाई पटेल, आर्किटेक्ट वसंत भाई मोदी, इंजीनियर जयेश



भाई पटेल, कोन्ट्रक्टर हितेश भाई सथवारा सहित गणमान्य अतिथियों सहित 500 लोग उपस्थित रहे। साथ ही उत्तर गुजरात के बीके

मुख्य भाई-बहनों की भी विशेष उपस्थिति रही। कार्यक्रम के प्रारंभ में परमात्मा को भोग स्वीकार कराया गया।

सार समाचार



देहरादून | उत्तराखण्ड राज जयंती वर्ष (25वीं वर्षगांठ) के उपलक्ष्य में राष्ट्रपति द्वैपदी मूर्ति का देहरादून में आगमन हुआ। इस मौके पर ब्रह्माकुमारीज के प्रतिनिधिमंडल ने राष्ट्रपति से मुलाकात कर प्रदेश में कौं जा रहीं सेवाओं के बारे में बताया।



मेदरडा (गुजरात) | राष्ट्रपति द्वैपदी मूर्ति के आगमन पर ब्रह्माकुमारीज के प्रतिनिधिमंडल में बीके गीता बहन, बीके टीना बहन, बीके प्रकाश भाई, बीके दीपक भाई ने मुलाकात की।



देहरादून | उत्तराखण्ड राज्य स्थापना की 25वीं वर्षगांठ के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आगमन पर उत्तराखण्ड सरकार द्वारा ब्रह्माकुमारीज के तीन सदस्यीय प्रतिनिधि मण्डल बीके मंजू दीदी, बीके मीना दीदी, बीके सुशील भाई को आगवानी के लिए विशेष रूप से निमंत्रण दिया गया। प्रतिनिधिमंडल ने पीएम मोदी को प्रदेश में कौं जा रहीं सेवाओं के बारे में बताया।



अहमदाबाद | गुजराती नववर्ष के अवसर पर ध्लतेज में आयोजित नववर्ष स्नेह मिलन समारोह में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने अपने संसदीय क्षेत्र के नागरिकों और भाजपा कार्यकर्ताओं से मुलाकात की। इस दौरान ब्रह्माकुमारीज से बीके आशा दीदी को भी आमंत्रित किया गया, जिन्होंने गृह मंत्री शाह को नववर्ष की शुभकामनाएं दीं और ईश्वरीय सौगात प्रदान कर संस्थान की सेवाओं के बारे में बताया।



कोहिमा, नागालैंड | लोकसभा अध्यक्ष ओम बिला के नागालैंड दौरे के दौरान कोहिमा सेवाकेन्द्र की निदेशिका बीके रूप दीदी और अन्य बीके सदस्यों ने स्मृति चिह्न प्रदान कर सम्मानित किया। इस बातचीत में राज्य में मूल्य-आधारित शैक्षिक पहलों, युवा सशक्तिकरण कार्यक्रमों और सामुदायिक विकास सेवाओं के विस्तार पर सार्थक चर्चा हुई।



ओआरसी में किसान सम्मेलन आयोजित

यौगिक खेती सकारात्मक परिवर्तन की दिशा में श्रेष्ठ कदम : पूर्व कृषि मंत्री आर्य



श्री आमृतानन्दमयी, गुणगाम, हरियाणा

ब्रह्माकुमारीज के भोगकलां स्थित ओम शांति रिट्रीट सेंटर में संस्थान के ग्राम विकास प्रभाग द्वारा एक दिवसीय किसान सम्मेलन का आयोजन हुआ। दादी प्रकाशमणी सभागार में आयोजित कार्यक्रम में भारतीय कृषि दर्शन एवं सम्पूर्ण ग्राम विकास विषय पर कार्यक्रम हुआ।

हरियाणा के पूर्व कृषि मंत्री माननीय बचन सिंह आर्य ने कहा कि वो ब्रह्माकुमारीज संस्थान से 32 वर्षों जुड़े हैं। संस्थान का पवित्र जीवन उन्हें बहुत आकर्षित करता है। राजयोग हमें पवित्र जीवन जीने की प्रेरणा देता है। माननीय मंत्री जी ने कहा कि यौगिक खेती जीवन में सकारात्मक परिवर्तन की दिशा में श्रेष्ठ कदम है। पुराने समय में जब वो खेती करते थे तो पहले धरती का वंदन करते थे। गौ पालन सबसे श्रेष्ठ कार्य है। उन्होंने कहा कि सभी को गौ पालन करना जरूरी है। मंत्री जी ने कहा कि जैसा अन्न होगा वैसा ही मन होगा। जितना हम खुद उगाए कृषि उत्पादों का उपयोग करते हैं, उतना ही स्वस्थ रहते हैं।

ब्रह्माकुमारीज संस्थान के ग्राम विकास प्रभाग की अध्यक्षा राजयोगिनी सरला दीदी ने अपने प्रेरणादायक वक्तव्य से सभी को प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि प्राचीन भारत आत्मनिर्भर था। भारत की संस्कृति स्वर्णिम और गौरवशाली रही है। भारत कृषि प्रधान देश है। लेकिन आज रासायनिक उर्वरकों के कारण खेती की दशा बिगड़ती जा रही है। किसानों की दयनीय स्थिति हो गई है।

उन्होंने कहा कि आज आवश्यकता है कृषि पद्धति में परिवर्तन की। हमें पुनः भारत की प्राचीन कृषि पद्धति को अपनाना होगा। उन्होंने कहा कि अत्यधिक रसायनों के उपयोग से धरती की उर्वरक शक्ति कम हो गई है। उन्होंने कहा कि प्रभाग का उद्देश्य यौगिक खेती के द्वारा धरती की उर्वरक शक्ति को बढ़ाना है।



हमारे संकल्पों का प्रभाव प्रकृति पर जल्दी पढ़ता है। इसलिए योग के माध्यम से हम धरती की उर्वरक शक्ति को बढ़ा सकते हैं।

भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान के प्रधान वैज्ञानिक डॉ. एन वी कुंभारे ने कहा कि बिना कृषि के विकास के देश का विकास संभव नहीं है। उन्होंने कहा कि धरती की उर्वरक शक्ति को बढ़ाने के लिए प्राकृतिक एवं जैविक खेती जरूरी है।

कृभकों के संयुक्त महाप्रबंधक दिनेश कुमार यादव ने अपने संबोधन में कहा कि स्वास्थ्य समस्या का मूल कारण वास्तव में प्रदूषण है। उन्होंने कहा कि शाश्वत यौगिक खेतों का प्रदूषण मुक्त करने में महत्वपूर्ण योगदान दे सकती है। ओम शांति रिट्रीट सेंटर की वरिष्ठ शिक्षिका राजयोगिनी विजय दीदी ने अपने आशीर्वचन में कहा कि हमारे किसान अन्नदाता हैं। इसलिए हमारी जिम्मेवारी बनती है कि किसानों के जीवन को बेहतर बनाया जाए। राजयोग एवं यौगिक खेती के माध्यम से हम किसानों का सशक्तिकरण कर सकते हैं।

ग्राम विकास प्रभाग के सक्रिय सदस्य बीके राजेंद्र ने प्रभाग का उद्देश्य शाश्वत यौगिक खेती को बढ़ावा देना है। संस्थान द्वारा समय-समय पर देश के किसानों को प्रशिक्षित करना है। किसान तभी आत्मनिर्भर बन सकता है, जब रसायन मुक्त खेती होगी। मारुंठ आबू

से पधारे प्रभाग के सक्रिय सदस्य बीके चंद्रेश ने गोकुल ग्राम की बहुत सुंदर संकल्पना के माध्यम से जानकारी प्रदान की। प्रभाग के सक्रिय सदस्य बीके सतबीर ने प्रभाग द्वारा की जा रही सेवाओं की जानकारी दी।

राजयोग से कर्हाई शांति की अनुभूति संस्थान के मजलिस पार्क सेवाकेंद्र प्रभारी राजयोगिनी राजकुमारी दीदी ने अपने वक्तव्य से सबका स्वागत किया। वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका बीके उर्मिल बहन ने सबको राजयोग के अभ्यास से गहन शांति की अनुभूति कराई। ओआरसी के प्रबंधक बीके भीम भाई ने आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में जयपुर, जहोता गांव के सरपंच श्याम जहोता, स्थानीय पार्षद अंजू रानी एवं भोरकलां के सरपंच मनबीर सिंह ने भी अपने विचार रखे।

विशेष रूप से एक नए गीत 'हम धरती पुत्रों ने दिल में ये ठाना है... का शुभारम्भ भी हुआ। जिसे सुप्रसिद्ध गायक हरीश मोयल एवं चांद ने अपने स्वर प्रदान किए। दिल्ली, मजलिस पार्क से बीके महिमा ने अपने गीत के द्वारा सुमधुर स्वर से सबका स्वागत किया। कार्यक्रम में मंचासीन मेहमानों का पौधे, बैज, पटका एवं तिलक से स्वागत किया गया। मंच संचालन बीके सपना एवं बीके महिमा ने किया। कार्यक्रम में काफी संचाला में किसानों एवं ग्रामीण लोगों ने शिरकत की।

सड़क दुर्घटना पीड़ितों की स्मृति में विश्व यादगार दिवस मनाया, राजयोग से दिए शांति के वाइब्रेशन

श्री आमृतानन्दमयी, इंदौर, मध्य प्रदेश



ब्रह्माकुमारीज संस्थान के जोनल मुख्यालय न्यू पलासिया ओम शांति भवन में सड़क दुर्घटना पीड़ितों की स्मृति में विश्व यादगार दिवस मनाया गया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से जिला न्यायाधीश विनोद शर्मा, पूर्व जस्टिस वीडी राठी, एसीपी सुप्रिया चौधरी, ड्रैफ्टिंग पुलिस सोनाली बहन, बीके आशा बहन, धार्मिक प्रभाग के जोनल संयोजक बीके नारायण भाई, सर्जन डॉ. प्रणव मंडोबरा और ब्रह्माकुमारी दीपाली बहन ने अपने विचार व्यक्त किए। इस

दैरान सभी ने सड़क दुर्घटना में मृत आत्माओं की शांति के लिए राजयोग मेडिटेशन के माध्यम से शांति के बांधवेशन दिए। साथ ही लोगों को

साट समाचार



भद्रोही, उपराज्य | ब्रह्माकुमारीज के प्रतिनिधिमंडल ने असम के राज्यपाल (साथ ही मणिपुर के अतिरिक्त प्रभारी) लक्ष्मण प्रसाद आचार्य से भैंट कर सम्मान किया। साथ ही संस्थान द्वारा की जा रहीं सेवाओं के बारे में बताया। इस मौके पर भद्रोही सेंटर की निदेशिका बीके विजयलक्ष्मी दीदी, भाजपा युवा मोर्चा (काशी) के चेयरमैन रनेश पांडे तथा अन्य नेता उपस्थित रहे।



घुग्गा, मध्य प्रदेश | भारतीय महिला क्रिकेट टीम की सदस्य क्रांति गौड़ विशेष आमृतानन्द पर ब्रह्माकुमारी सेवाकेन्द्र पहुंची। जहां सेवाकेन्द्र प्रभारी बीके नीतू बहन, बीके रीना बहन, बीके दीपा बहन एवं अन्य बहनों द्वारा विश्व चैंपियन टीम की सदस्य क्रांति गौड़ का आत्मीय स्वागत किया गया। उन्होंने विश्व कप से जुड़े अपने अनुभव भी सांझा किए।



कादमा (हरियाणा) | गोपाल्पटी पर श्रीराधा-कृष्ण गौशाला के वार्षिकोत्सव में ब्रह्माकुमारी वसुधा दीदी व बीके ज्योति दीदी का गौशाला के अध्यक्ष मेघराज भाई, सरपंच प्रतिनिधि महेश फौजी, सतवीर शर्मा व अन्य पदाधिकारीगणों ने सम्मान किया। साथ ही संस्थान द्वारा की जा रही सेवाओं की सराहना की।



भरतपुर, राजस्थान | जीएसटीसी पर श्रीराधा-कृष्ण गौशाला के वार्षिकोत्सव में ब्रह्माकुमारी वसुधा दीदी व बीके ज्योति दीदी का गौशाला के अध्यक्ष मेघराज भाई, सरपंच प्रतिनिधि महेश फौजी, सतवीर शर्मा व अन्य पदाधिकारीगणों ने सम्मान किया। साथ ही संस्थान द्वारा की जा रही सेवाओं की सराहना की।



टांक, राजस्थान | विश्व मध्यमेह दिवस पर ब्रह्माकुमारीज सेवाकेन्द्र पर मध्यमेह और स्वास्थ्य विषय पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें बीके डॉ. शुभलक्ष्मी दीदी ने स्वास्थ्य संबंधी टिप्पणी दिए। इस मौके पर स्थानीय सेवाकेन्द्र प्रभारी ब्रह्माकुमारी अपर्णा दीदी, ब्रह्माकुमारी गुंजन दीदी, बीके प्रहलाद भाई, बीके पांचू भाई, बीके तुलसीराम भाई, वैश्य महासम्मेलन के वरिष्ठ उपाध्यक्ष ओम प्रकाश गुप्ता तथा संस्थान से जुड़े सदस्य और शहरवासी मौजूद रहे।



અવ્યક્ત ડિશારે

રાજયોગિની દાદી હૃદયમોહની (ગુલાજાર દાદી),
પૂર્વ મુખ્ય પ્રશાસિકા, બ્રહ્માકુમારીજ

બાબા કહુતે હું હટ એક બચ્ચે મેં વિશેષતા દેખો

શિવ આમંત્રણ, આબુ રોડ/રાજયોગિની

પરમાત્મ કહેતે હૈ મીઠે બચ્ચે એસે નહીં કરો, એસે ચલો। તો એસા ભગવાન કરો ઔર હો સકતા હૈ! વહ તો દૂર સે હી કહેગા હું, ઠિક હૈ। બચ્ચે ભી આજકલ એસે હી હું, દૂર સે હી ગુડમાર્નિંગ કિયા ઔર ચલ પડે લેકિન હમ લોગ એસે બચ્ચે ભી નહીં હું। બાબા આગ યાદ પ્યાર દેતા હૈ તો હમ રિટર્ન મેં બાબા કો ભી રોજ યાદ પ્યાર દેતે હૈ ના, મુલી સુનતે હૈ તો બાબા જબ યાદ પ્યાર દેતા હૈ તો હમ ભી રિટર્ન મેં દેતે હૈનું। ઇસલિએ હમારા એક ગીત હૈ-ઇતના પ્યાર કરેગા કૌન...। લક્ષ્મી-નારાયણ કે બચ્ચે યા બચ્ચે કો ભી ઇતના પ્યાર નહીં મિલેગા, જિતના હમકો અભી બાબા દે રહા હૈ। બાબા કી વિશેષતા દેખો, હમારે અન્દર ઇતના પ્યાર કરો આતા હૈ? હમ લાસ્ટ જન્મ મેં કિસ અવરસ્થા મેં આએ! સબ પુરાના-સંસ્કાર ભી પુરાના, સ્વભાવ ભી પુરાના, શરીર ભી પુરાના (ચંતિયાં લગા હુંએ, ઓપરશન કિયા હુંએ)...નો એસે હમ આએ ઔર બાબા ને હમારા કરો અવગુણ નહીં દેખા। બાબા ભલે કર્મી-કર્મી મુરલી મેં મીઠા-મીઠા ઉલ્લના ભી દેતા હૈ કે મૈને તુમકો ક્યા દિયા ઔર તુમને મુદ્દે સર્વવ્યાપી કહકે ગાલિયાં હી દીં। વહ ભી કિન્તને મીઠે રૂપ મેં બોલતા હૈ, ફરી ભી બાબા ને યહ દેખા ક્યા? યહ મેરી ગ્લાનિ કરને વાલે હું, ગિરાને વાલે હું ઔર ગિરે હું, પતિત હું, અવગુણી હું। સ્વભાવ-સંસ્કાર બહુત ખરાબ હો ગયા હૈ... યહ સબ બાબા ને નહીં દ્યાનું। તો બાબા ને અવગુણ ન દેખ કરકે, કરો કી બુરાઈ ન દેખ કરકે યદી કહા બચ્ચે, તુમ મેરે ઔર મૈં તેરા। હમને કહા-બાબા ઔર બાબા ને કહા-બચ્ચે। તો યા હું સેકેંડ મેં સૌદા હો ગયા ના! અગ કરો દિન સે કહતા હૈ-બાબા મેરા। તો બાબા સે જરૂર રેસપાન્ડ મિલતા હૈ। બાબા ભી કહતે હું-બચ્ચે તુમ મેરો। ઔર સેકેંડ મેં અગ કિસસે પહુંચાન હો જાતી હૈ ઔર પહુંચાન સે હમ કહતે હું-અગ તો મેરો હો ઔર વહ ભી કહેં હાં, અગ મેરો હો। મેહનત ક્યા લગતી હૈ? સેકેંડ કી બાત હૈ।

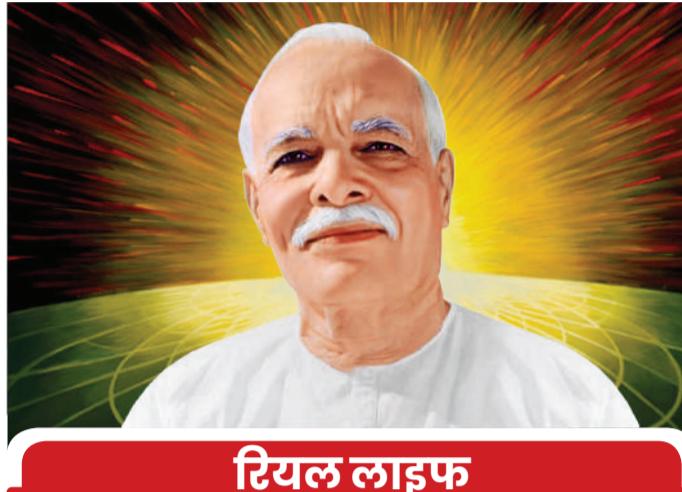
બાબા ને કિસકા ભી કુછ અવગુણ નહીં દેખા, જો ભી હૈ બાબા હમેશા કહતા હૈ- જો હો, જૈસે હો મેરો હો। હમ ભી કહતે હું - બાબા આપ જો હો, નિરાકાર હો, પરમધામ નિવાસી હો હમારે હો। બાબા સે કિન્તના અચ્છા સૌદા હો ગયા। કરો મેહનત લગી ક્યા? એસે હી બાબા કહતે હું-અગ ભી બ્રાહ્મણ પરિવાર કે હો આપ ભી કિસકે અવગુણો કો નહીં દેખો। માનો કિસી ભી આત્મા મેં કરો બુરાઈ હૈ, 63 જન્મ કે સંસ્કાર હું તો કુછ ન કરું બુરાઈ હૈ હી તબ તો બાબા કે બને। બાબા ને ઇસ બારી હમ સબકો એક શિક્ષા પાવરફુલ રૂપ સે દી હૈ કે કિ કિસકા ભી નિગેટિવ નહીં દેખો। નિગેટિવ માના જો ખરાબ ચીજ હૈ, હેઠે મેં કરો એક વિશેષતા વા ગુણ ભી હૈ ઔર એક વહ પાસ્ટ કા સંસ્કાર ભી પક્કા હૈ, જિસકો હમ કહતે હું યા યા નેરી નેચર હૈ। કરી ભાઈ-બહન કહતે હું કે હમારે મેં ઔર કુછ નહીં હું લેકિન પતા નહીં હું કોઠો કર્યો આ જાતા હૈ। મૈં ચાહતા નહીં હું, સમજતા ભી હું કુછ નહીં કર્યો આ જાતા હૈ। ક્રમશાસન

મમ્મા કો સુનને કે લિએ રોજ ઉમડને લગી ભીડાં...

શિવ આમંત્રણ, આબુ રોડ/રાજયોગિની

સરસ્વતી માંને પિતાશ્રી દ્વારા બતાયે સ્વર્ણિમ મહાવાક્ય સુનતે હું કહા 'વત્સો! મુદ્દે યે ફૂલ નહીં ચાહિએં। મુદ્દે તો આપ-જૈસે ચેતન (માનવી) ફૂલ ચાહિએં। આપ તો અબ કાંઠોં સે ફૂલ બને હી હોંગે; આપ વત્સ હી મેરે લિએ મન-વાંચિત પુષ્પ-માલા હૈનું। મુદ્દે તો પિતાશ્રી ને એસે પુષ્પોની માલા પિરોને કે લિએ ભેજા હૈ। બોલો, ક્યા આપ એસે ફૂલ બને હું? ક્યા આપને સ્વર્ણ મેં દિવ્ય ગુણોની સુંગાંથી ભરી હૈ? મન્દ મન્દ હુંસી સે, માંને એસા પ્રશ્ન કર દિયા ઔર ફરિયા મનને હોકે વત્સ કી ઓર નિહારને લગીની માનો ઉનકે અન્તર્મન કો વે જાગૃત કરને કી અલોકીક સેવા કર રહી હું ઔર પ્રશ્ન કો લિયે વે હું બ્રહ્માકુમારી બહનોની ઓર ભી દેખેને લગીની જો ક્યા યાંનું કે જોનો કો ઈશ્વરીય જ્ઞાન એવં યોગ કી અનુભૂતિ કરાને કી સેવા મેં નિયુક્ત થીએં। પરન્તુ ચૌથાઈ મિનટ ભી નહીં હુંએ હોએ કિ સભી બોલે ઉઠે - 'હું માંનું, હું તો અબ શિવ બાબા કે જ્ઞાન દ્વારા કાંઠોં સે ફૂલ બને હું'।

માંની મુખ કમલ અબ પૂરી તરહ ખિલ ઉઠા ઔર દેહલી મેં માંની પાસ સારા દિન જિજાસુ આતે રહેતે થે। નિય પ્રાત: ઠોક સમય પર દૂર-દૂર સે સભી ઉનકી પવિત્ર વાણી સુનતે કો આયા કરતેને। સારા દિન માંની અથક રીતિ સે માનવ-મન કો હ્યાની વાલે ઈશ્વરીય જ્ઞાન કા ખજાના લુટાતી રહેતીની। માંની કે થોડે-સે વચન ભી બહુત-સે પ્રશ્નોની એક-સાથ હલ કર દેતી હું સોચ કર આતે ક્રમશાસને તુમકો કુછ દે રહી હુંએ। ઇસ ભાવના



ટિયલ લાઇફ

પ્રજાપિતા બ્રહ્મા બાબા, સંસ્થાપક, પ્રજાપિતા બ્રહ્માકુમારી
ઈશ્વરીય વિશ્વ વિદ્યાલય, માર્ટાં આબુ

✓ મુસાફિર તો પરમપિતા શિવ પરમાત્મા હી હું જો કી બ્રહ્મલોક સે ઇસ માયા નગરી મેં આએ હું

વહ પૂછેંગે। પરન્તુ જબ વે સભા મેં આકર ઉનકી વાણી સુનતે અશ્વા માંની કે પાસ આકર બૈઠતે તો ઉઠેને એસા માલૂમ હોતા ક્યા મન કી સભી ગાંઠે ખુલ ગયી હું ઔર સબ સંશ્ય છિન્ન હો ગયે હુંએ। વે ઉસ વાતાવરણ મેં દિવ્યતા કા એક અનુપમ પ્રભાવ મહસૂસ કરતે ઔર માંની સે ઉનકા હાર્દિક સેને જુટ જાતા। વે એસા અનુભવ કરતે કી વાસ્તવ મેં તો ઉનકી યાં હી માંને હું હૈ, વે સ્વર્ણ કો ફિર સે 'બચ્ચે' અનુભવ કરતે તથા 'માંનું' સે ટોલી (પ્રસાદ) મિલને પર એસા અનુભવ કરતે કી જૈસે ફિર સે ઉનકા બચપન લૌટ આયા હું ઔર માંનું સે પ્રાર-દુલાર તથા સુખ મીઠા કરને કો કુછ દે રહી હુંએ। ઇસ ભાવના

સે પૂરિત અબ ઉન લોગોને કે નેત્ર સ્નેહ-જલ સે ભર આતે.

માંનું જહાં ઠહરી હુંએ થીએ, વહાં એક બહુત બડા શામિયાના લગા થા ઔર પ્રતિદિન વિશાળ સભા લગા કરતી થી। નિય પ્રતિ માંની જ્ઞાન-વીણા કે નયે હી સ્વર હોતે થે। વે કહતી 'દેખો, દૂર દેશ સે એક મુસાફિર ઇસ પરાયે દેશ મેં આયા હૈ। ઉસ મુસાફિર કો અંખ નહીં પહુંચાતી રહેતી ભર્દાં'... ઇસ પ્રકાર, નયે-નયે તરીકે સે સમજાતે હુંએ કહતીં - 'દેખો તો, અબ બહુત સમય તો ગુજરા ભી ચુકા હૈ। વહ મુસાફિર યાંનું થોડે હી દિન તો રહતા હૈ। ઉનમે સે ભી અબ તો થોડે હી દિન રહ ગયે હૈનું। ઇસ કલિયુની સંસાર કો આગ તો લગની હી હૈ। આખિર તો એક દિન સબ જલ જાના હૈ। ક્રમશાસન

પ્રેરણપંજ

રાજયોગિની દાદી જાનકી,

પૂર્વ મુખ્ય પ્રશાસિકા, બ્રહ્માકુમારીજ, માર્ટાં આબુ

શિવ આમંત્રણ, આબુ રોડ/રાજયોગિની

દૂસરોને કે દેખને મેં અપને કો ભૂલ જાતે હુંએ। તો એકાગ્રિત્ત હો કરકે એક સેકેંડ મેં શાન્ત નહીં હો સકતે હુંએ। તુંહેં બા



ओआरसी में तीन दिवसीय राष्ट्रीय महिला सम्मेलन आयोजित

आध्यात्मिकता हमें अंदर की आवाज सुनने के लिए प्रेरित करती है: डॉ. लता

शिशु आमंत्रण, गुणगाम, हरियाणा।

ब्रह्माकुमारीज के भोगकलां स्थित ओम शांति रिट्रीट सेंटर में तीन दिवसीय राष्ट्रीय महिला सम्मेलन का आयोजन किया गया। आध्यात्मिकता से महिला सुक्षम विषय पर आयोजित सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में इंडियन योगिनी एसोसिएशन की संस्थापक अध्यक्ष डॉ. अराएच लता ने कहा कि महिला सुरक्षा के लिए आध्यात्मिकता जरूरी है। महिलाओं में आत्म सम्मान का भाव होना जरूरी है। उन्होंने कहा कि असुरक्षा का प्रमुख कारण अनेक सामाजिक विसंगतियां हैं। परिवारों में संस्कारों का बहुत बड़ा अभाव है। आध्यात्मिकता हमें अंदर की आवाज सुनने के लिए प्रेरित करती है। जो हमारी अंतरात्मा से निकलती है। उन्होंने कहा कि वो योगिनी होम स्टे के माध्यम से महिलाओं की सामाजिक सुरक्षा का कार्य कर रही हैं। लेकिन ब्रह्माकुमारीज संस्थान आध्यात्मिक सशक्तिकरण के माध्यम से महिला सुक्षम के क्षेत्र में महत्वपूर्ण कार्य कर रहा है।

ओआरसी की निदेशिका राजयोगिनी आशा दीदी ने कहा कि शारीरिक सुरक्षा के साथ-साथ नैतिक मूल्यों की सुरक्षा बहुत जरूरी है। आध्यात्मिक और नैतिक मूल्यों के पतन के कारण ही असुरक्षा की भावना बढ़ी है। उन्होंने कहा कि व्यक्ति के दूषित विचार और मनोवृत्ति ही घटनाओं को जन्म देती हैं। भौतिक दृष्टिकोण के कारण हम अपने वास्तविक स्वरूप को भूल गए हैं। आध्यात्मिकता हमें स्वयं से जोड़ती है। अतिमिक गुणों को बढ़ाती है।

उन्होंने कहा कि अविश्वास, संदेह एवं परखने की शक्ति की कमी ही असुरक्षित अनुभव कराती है। उन्होंने कहा कि भारत की संस्कृति बहुत महान रही है। हमें बच्चों को अपनी महान संस्कृति से परिचित कराना जरूरी है। चरित्र निर्माण से ही सर्व समस्याएं समाप्त हो जाएंगी। दृष्टिकोण में परिवर्तन की जरूरत है। बच्चे और बच्ची दोनों के साथ समान रूप से बर्ताव की जरूरत है। उन्होंने कहा कि असली सुरक्षा कवच हमारे शुद्ध एवं सकारात्मक विचार है।

महिला प्रभाग की अध्यक्षा राजयोगिनी चक्रधारी दीदी ने कार्यक्रम में अपने आशीर्वचन दिए। उन्होंने कहा कि नारी केवल स्वयं को सुरक्षित नहीं रखती बल्कि पूरे परिवार को सुरक्षित रखती है। अगर नारी के अंदर शांति और शिरकत है तो नारी एक दर्पण बन जाती है। सुरक्षा का स्रोत बन जाती है। सुरक्षा का अर्थ केवल बाहरी नहीं बल्कि आंतरिक शिरकत है। एक असुरक्षित मन ही तनाव एवं डर पैदा करता है। अध्यात्म हमें अतिमिक गुणों से जोड़ता है। अन्दर से मजबूत बनाता है।



डॉ. मंजू गुप्ता बोलीं- राजयोग के अभ्यास से मेरे जीवन में महान परिवर्तन आया

राजयोग से जीवन में आए परिवर्तन के बारे डॉ. मंजू गुप्ता ने अपना अनुभव व्यक्त किया। डॉ.गुप्ता ने कहा कि पिछले 40 वर्षों से वो संस्थान से जुड़ी हैं। उन्होंने कहा कि पहले उन्हें बात-बात पर क्रोध आता था। लेकिन वो समझ नहीं पाती थी ये क्यों हो रहा है। राजयोग के अभ्यास से उनके जीवन में महान परिवर्तन आया। आज वो दूसरों को भी राजयोग सीखने की प्रेरणा देती है। संस्थान के दिल्ली, लॉरेंस रोड स्थित सेवाकेंद्र प्रभारी बीके लक्ष्मी ने राजयोग के अभ्यास से शांति की गहन अनुभूति कराई। संस्थान के पालम विहार सेवाकेंद्र की प्रभारी बीके उर्मिल ने अपने वक्तव्य से कार्यक्रम की

शुरूआत की। उन्होंने कहा कि परिवार, समाज एवं विश्व को सुखी बनाने के लिए सबसे पहले हमें स्वयं को शक्तिशाली बनाना है। इस परिवर्तन ही विश्व परिवर्तन का आधार है। कार्यक्रम में ऐनल डिस्केशन के माध्यम से अनेक विषयों पर चर्चा हुई। जिसमें वक्ताओं ने अपने विचार रखे। तीन दिवसीय सम्मेलन में राजयोग के अनुभवी विशेषज्ञों द्वारा ईश्वरीय ज्ञान और राजयोग की गहरी जानकारी दी गई। अनेक सत्रों के माध्यम से सभी ने ईश्वरीय शांति एवं शक्ति की अनुभूति की। मंच संचालन बीके लता ने किया। कार्यक्रम में 1000 से भी अधिक महिलाओं एवं अन्य लोगों ने शिरकत की।

दीदी ने कार्यक्रम में अपने आशीर्वचन दिए। उन्होंने कहा कि नारी का सुरक्षित होना जरूरी है। क्योंकि नारी परिवार की धूरी है। आज सबसे बड़ी कमजोरी दृष्टिकोण हैं। आध्यात्मिकता से ही वैचारिक शुद्धि आती है। ब्रह्माकुमारीज संस्थान द्वारा इस दिशा में महान कार्य हो रहा है। क्योंकि आध्यात्मिकता ही हमें सकारात्मक और शक्तिशाली बनाती है।

महिला प्रभाग की राष्ट्रीय संयोजिका डॉ. सविता ने कहा कि आत्मबल होने से ही हम जीवन को सही दिशा दे सकते हैं। शारीरिक सुरक्षा से पहले हमें मानसिक सुरक्षा को प्राथमिकता देनी है। मानसिक रूप से शक्तिशाली व्यक्ति बाहरी किसी भी समस्या का समाना कर सकता है। इसलिए महिलाओं को आज सबसे ज्यादा मानसिक रूप से सशक्त होने की जरूरत है।

एआईडब्ल्यूसी गाजियाबाद की अध्यक्ष किरण श्रीवास्तव, मैकिंग मॉडल गुरुग्राम की संस्थापक गौरी सरीन, ऑल इंडिया विमेन लॉयस एसोसिएशन की अध्यक्ष डॉ. गीता, फॉर्मूला कार रेसर दिव्या मिगलानी, संस्थान के दिल्ली, करोल बाग की निदेशिका राजयोगिनी पुष्पा दीदी एवं बीके शक्ति ने भी अपने विचार रखे। चांद बजाज ने गीत प्रस्तुत किया।



हरियाणा राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष रेणु भाटिया ने महिलाओं को अधिकार के साथ अपनी जिम्मेवारी को भी निभाना जरूरी है। मैं काफी समय से ब्रह्माकुमारीज संस्थान के साथ जुड़ी हैं। उन्होंने कहा कि जब वो संस्था से जुड़ी तब उन्हें कैसर था। राजयोग के अभ्यास से उन्हें कैसर के उपचार में काफी मदद मिली। ब्रह्माकुमारीज में आकर अपार स्नेह का अनुभव किया। भौतिक शिक्षा हम कितनी भी प्राप्त कर लें। लेकिन अगर पारिवारिक मूल्य नहीं हैं तो सफल नहीं हो सकते। शरीर की सुरक्षा से पहले हमें अपने अंतर्मन की सुरक्षा का विचार करना होगा। हमें महिला सशक्तिकरण का सही अर्थ समझना होगा। केवल आर्थिक एवं सामाजिक विकास ही सशक्तिकरण नहीं है। आध्यात्मिक सशक्तिकरण के बिना सुरक्षित रहना मुश्किल है।

श्रीराम सोसाइटी ऑफ रियल एजुकेशन की निदेशक
एवं अध्यक्ष डॉ. अमृता ज्योति ने कहा कि जीवन में असली आनंद, शांति और संतुष्टता से ही मिलता है। आनंद की कमी का असली कारण आध्यात्मिक जागृति न होना है। भौतिक चीजों का प्रभाव हमारी ऊर्जा को सोख लेता है। आज मोबाइल के कारण सबसे ज्यादा ऊर्जा बाधित हो रही है।



फैशन डिजाइनर मिसेज इंटरनेशनल 2025 सलोनी
मल्होत्रा ने कहा कि राजयोग ही सुरक्षा का आधार है। राजयोग हमारी आंतरिक शक्ति को बढ़ाता है। उन्होंने कहा कि हम राजयोग के द्वारा हम अपने पास ऐसीजिटिव कोट्स खें जिससे हमारा मनोबल बढ़ता रहे। हम हर प्रकार की परिस्थिति का सामना कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि हम अपने पास ऐसीजिटिव कोट्स खें जिससे हमारा मनोबल बढ़ता रहे।





સ્વ પ્રબંધન

વિકાર હી બનતે હૈં મનુષ્ય કે પતન કા કારણ

પવિત્રતા મેં હૈ અદ્ભુત શક્તિ

શિશુ આમન્ત્રણ, આબુ રોડ/રાજયાન

આજ કોઈ ભી અખવાર ઉઠાકર પડે તો એક ખબર હર રોજ છપતી હૈ। વહ હૈ કામેશુ-ક્રોદેશુ વાલે મનુષ્ય કે કુકૃત્ય। પ્રત્યક્ષ મેં કિટની ઘટનાઓંથી ઘટતી હોગી। હમારા વિવેક ભી યહ માનતા હૈ કિ દિન-પ્રતિ-દિન યહ ઘટનાઓંથી બઢેણી હૈ। એસે સમય આત્મરક્ષા કા સાધન ક્યા હૈ? કોઈ ઇન્સાન કિસી કી રક્ષા નહીં કર પાતા ઔર ના હી કર પાયેગા। યહ વિકૃતિ ઇન્સાન કે દિમાગ કી હૈ જો દિન-પ્રતિદિન બઢતી જા રહી હૈ। યહ ભી

રાજયોગિની ઊષા દીડી,
વરિષ્ઠ રાજયોગ શિક્ષિકા,

માઉંટ આબુ

ઇસ ચુનૌતી સે ડર ગયા। સીતાજી કે પાસ આત્મ રક્ષા કી એસે કૌન સી શક્તિ થી?

યહ શક્તિ 14 સાલ કે બ્રહ્મચર્ય વ્રત કી શક્તિ, પવિત્રતા કી શક્તિ થી। પવિત્રતા કી શક્તિ ને ઉનકે ચારોં ઔર એક સુરક્ષા કવચ બના દિયા થા ઔર ઉનકી આત્મ રક્ષા કા સાધન થા। ઇસી પ્રકાર આને વાલે સમય

અધ્યાત્મ કી ઉડાન અધ્યાત્મ કી ગહરાઈ મેં જાને કે લિએ ભોજન પર સંયમ જરૂરી

આત્મ અભિમાની બનને મેં સબસે બડી બાધા હૈ હમારા ભોજન

શિશુ આમન્ત્રણ, આબુ રોડ/રાજયાન

વિકારોં સે ભી ગહરી આદત ભોજન કી હૈ। બહુત લોગ ઇસ ગહરી આદત કે શિકાર હૈનું। જબ દેવતાએ ભી ભોજન સે મુક્ત નહીં હૈનું ઔર જબ તક ઇસ ગહરી આદત મેં આદ્યાત્મ નહીં કિયા જાતો, તબ તક ચેતના મેં

હલચલ નહીં હોતી હૈ ઔર ઉસી હલચલ કી અવસ્થા મેં નાનું સંસ્કરણો કે બીજ ડાલે જાએ તો કુછ નયા હોગાનું। ભોજન કો મૌન મેં સ્વીકાર કરના. પ્રસન્તા કે સાથ કોઈ શિકાયત નહીં, ન હી ઉસકા વર્ણન કરતે હુએ ઇસમેં યે બહુત હૈ, યે કમ હૈ, ન હી ઉસકે સ્વાદ કા વર્ણન।

ચાર ચીજેં કમ કર દો યા હટા દો। પહોલા તેલ, દૂસરા શક્કર યે સબ લત હૈનું। ઉત્તેજના પૈદા કરતે હૈનું, તીસરા નમક જિતના નમક ડાલોણે ઉત્તન પાની માંગેણી શરીર। જિસને નમક કો હટા દિયા ઉત્તેજના અને આપ શાંત હો જાએણી। ચૌથા અનાજ કમ કરતે જાઓ। દેવતાએ પહુલે ફળ ખાતે થે જબ સે અનાજ ખાને લગે ક્રોંકિંગ અનાજ કે લિએ ચાર પાંચ ચીજેં ચાહેણી। ઉસમેં આગ ચાહેણી, મસાલે ચાહેણી, નમક ચાહેણી, તેલ ચાહેણી, શક્કર ચાહેણી ઇન ઘાતક ચીજોને ને શરીર મેં અનાજ કે દ્વારા પ્રવેશ કિયા। દ્વારા સે દેવતાઓની પારાણી સે હુદા। પહોલા દેવ ભાન, દૂસરા આગ। જિસ ચીજી કો આગ મેં ડાલા ગયા વો ખત્મ। જો જિતના અનાજ ખાતે હૈનું ઉનકો ચાર ચીજેં હોતી હૈનું। દોપહર મેં નીંદ, આલસ્ય,

થે જબ સે અનાજ ખાને લગે ક્રોંકિંગ અનાજ કે લિએ ચાર પાંચ ચીજેં ચાહેણી। ઉસમેં આગ ચાહેણી, મસાલે ચાહેણી, નમક ચાહેણી, તેલ ચાહેણી, શક્કર ચાહેણી ઇન ઘાતક ચીજોને ને શરીર મેં અનાજ કે દ્વારા પ્રવેશ કિયા। દ્વારા સે દેવતાઓની પારાણી સે હુદા। પહોલા દેવ ભાન, દૂસરા આગ। જિસ ચીજી કો આગ મેં ડાલા ગયા વો ખત્મ। જો જિતના અનાજ ખાતે હૈનું ઉનકો ચાર ચીજેં હોતી હૈનું। દોપહર મેં નીંદ, આલસ્ય,

મેં એસે અનેક રાવણ હો જાયેણે જો અનેકોનો અપને વિકૃત મનોવિકારોનો કા શિકાર બનાયેણે। એસે સમય મેં બ્રહ્મચર્ય વ્રત કી શક્તિ સુરક્ષા કવચ કા કાર્ય કરેણી ઔર ઇસમે આત્મરક્ષા હોણી।

મહાભારત કે કારણ ભી દ્વારાપદી કે વસ્ત્રહરણ હી બના જો કૌરવોને સર્વનાશ કા કરણ બના। આજ કી દુનિયા મેં ભી ઇસી વસ્ત્રહરણ કે કારણ દુનિયા કા બેઢા ગર્ક હોતા જા રહી હૈ ઔર યાં સંસાર કે સર્વનાશ કા કરણ બનેણી।

પરમાત્મા જાની જાનનહાર હૈ...

પરમાત્મા જાની જાનનહાર હૈ। પરમાત્મા સર્વજ્ઞ હોને કે કારણ જાનતે હૈ કે આને વાલે સમય મેં નકારાત્મક મનોવૃત્તિ એવું વિકૃત મનોદાસ વાલે અનેક હૈવાન ચારોં આં મંદરાયેણી ઔર અનેક આત્માઓનો અપની હવસ કા શિકાર બનાયેણી ઔર કોઈ કિસી કી રક્ષા નહીં કર પાણા। એસે સમય પર સુરક્ષિત રહને કી વિધિ બતાને પરમાત્મા ઇસ ધારા પર આતે હૈ ઔર બતાતે હૈ કે પવિત્રતા કી શક્તિ હી આત્મ રક્ષા કા કવચ બન સકતી હૈ। અત: યોગી બના, પવિત્ર બનાનો। કર્દ બાર કર્દ લોગોનો મન મેં યાં સવાલ ભી આતી હૈ કે એસે સમય પર ભગવાન મદદ કર્દો નહીં કરતો?

પરમાત્મા દેતે હૈં પવિત્ર બનને કી પ્રેરણ....

પરમાત્મા હાર આત્મા કો મદદ કરના ચાહતા હૈ ઇસીલિએ પવિત્ર બનને કી પ્રેરણ દેતે હૈ। જૈસે કહાવત હૈ કે શેરોની કા દૂધ સોને કે બતાન મેં હી ઠરતા હૈ, અગર કોઈ સાધારણ બર્તન મેં રખા જાએ વહ બર્તન ફટ જાતા હૈ, વહ દૂધ ઇન્ના શક્તિશાલી હોતા હૈ। વૈસે હી પરમાત્મા પરમ પવિત્ર હૈ ઔર સર્વશક્તિમાન હૈ તો ઉસકી મદદ કો સ્વીકાર કરને કે લિએ પવિત્રતા કી પાત્રતા ચાહિએ। સર્વશક્તિમાન કી શક્તિ કો પ્રાપ્ત કરને કે લિએ આત્મા કે અન્દર બ્રહ્મચર્ય વ્રત કી શક્તિ જરૂર હોની ચાહિએ ત્થી પરમ પવિત્ર પરમાત્મા કી મદદ અવશ્ય પ્રાપ્ત હોતી હૈ। દુનિયા કી સર્વ આત્માએ પરમાત્મા કી સત્તાન હૈનું।

તોસરી મહત્વપૂર્ણ બાટ હૈ:

તોસરી મહત્વપૂર્ણ બાટ હૈ: નિયમિત પાની પીના। સર્દિયોને સાવધાની હી સુરક્ષા હૈ, લોકિન શરીર કો તરલ કી ઉત્તની હી આધ્યાત્મકતા રહતી હૈ। પીના કી કપી સે રકત ગાડી હોને લગતા હૈ ઔર યાં હાર્ટ તથા બીગી દોનોને લિએ જોખિમકારી હૈ। દિન મેં 6-7 ગિલાસ ગુનગુના પીના આદર્શ હૈ।

» હાર્ટ ઔર બીગી કે મરીજોનો કો તનાવ, ક્રોધ ઔર માનસિક દ્વારા સે દૂર રહના ચાહિએ। સર્દિયોને તનાવ કો અસર ઔર ભી બઢ જાતા હૈ, ક્રોધિક ઠંડ શરીર કો ધર્મપ્રાણાત્મી કો થીમા કર દેતી હૈ। હલ્કે સંગીત, ધ્યાન (મેડિટેશન) ઔર પ્રાણાયા સે મન શાંત રહતા હૈ ઔર હાર્ટ કો રહત મિલતી હૈ।

» ઇસકે અલાવા, સુબહ જલ્દી ઉઠકર બહુત ઠંડ મેં ટદ્દલને સે બચોંએ વ્યાયામ તથી કરેણી જે બધું નાના હાર્ટ હોઈ શકતું હૈ। તેજ વૉક્સ કો બજાય હલ્કી વૉક્સ, યોગ વસ્ત્રેચિંગ અધિક ઉપયોગી હૈનું। દવાઓન્યાં સમય પર લેં ઔર બીગી કો રોજ મોનિટર કરોં। કિસી ભી પ્રકાર કી છાતી મેં જલન, ભારીપણ, સાંસ ફૂલના યા અસામાચ થકાન મહસૂસ હોણે તો ડાંકટર સે તુંઠ સંપર્ક કરોં।

સર્દિયોને હાર્ટ ઔર બીગી મરીજોનો કો લિએ ક્યા ખાના ચાહિએ?

» આહાર સર્દિયોને સબસે બડા સહારા હોતા હૈ। સહી ભોજન ન કેવલ શરીર કી ગર્માટ બનાએ રહતું હૈ, બલ્કિ રકતચાપ સંસુલિત રહને મેં ભી મદદ કરતા હૈ। સબસે પહોલે, ગરમ, હલ્કા ઔર પોષિંગ ભોજન ચુંને। જૈસે- ગરમ દલિયા, બિચ્ચડી, ઓટ્સ, મૂં દાલ, તીસી સબજિયોનો સૂપ આદિ। પાલક, મેથી, બથુઆ, સરસો, ગાજર, ચુકંદર ઔર શકરકંદ જૈસે મૌસમી સબજિયોનું રહત કો સાફ કરતી હૈનું ઔર હાર્ટ કી માંસેશિયોનો કો પ્રોથમ દેતી હૈ।

» હાર્ટ રોગિયોને લિએ રહત કો પતલા રહન



માઇન્ડ-મની મૈનેજમેન્ટ કોન્ફેસ આયોજિત

મન કા સંયમ હી સત્ત્વા ધનઃ ઉત્ત્વ શિક્ષા મંત્રી પરમાર

શ્રી આમંત્રણ, આબૂરોડ, રાજસ્થાન।

બ્રહ્માકુમારીજી મુખ્યાલય કે આનંદ સરોવર પરિસર મેં ચાર દિવસીય નેશનલ માઇન્ડ-મની મૈનેજમેન્ટ કોન્ફેસ આયોજન કિયા ગયા। 5 સે 9 નવ્નિંબર 2025 તક આયોજિત ઇસ રાષ્ટ્રીય સમ્પેલન મેં દેશભર સે વિત્ત જગત, કોર્પોરેટ ક્ષેત્ર, ટૈક્સેશન, બૈંકિંગ, ચાર્ટર્ડ અકાઉન્ટિસ્ટી ઔર પ્રશાસનિક સેવાઓને સે જુડે સૈકડોને પેશેવર સહભાગી બને।

કાર્યક્રમ કે સ્વાગત સત્ર મેં મધ્યપ્રદેશ સરકાર કે ઉત્ત્વ શિક્ષા તકનીકી શિક્ષા એવં આયુષ વિભાગ કે મંત્રી ઇંદ્ર સિંહ પરમાર ને કહા કી જીવન મેં ધન ઔર સફળતા કા સંતુલન તથી સંભવ હૈ જીવ મન સ્થિર ઔર સંયમિત હો। અગર મન મેં શાંતિ નહીં, તો બાહ્રી ઉપલબ્ધીઓ ભી અધ્યુત્તી લગતી હૈનું। બ્રહ્માકુમારીજી સંસ્થાન હમેં યથ સિખાતા હૈ કી સત્ત્વા ધન આંતરિક સંતુલન ઔર નીતિપૂર્ણ જીવન મેં હૈ।"

ઉદ્ઘોને આગે કહા કી ઇસ પ્રકાર કે સમ્પેલન સમાજ મેં મૂલ્યોની ઔર નૈતિકતા કી દિશા મેં એક મજબૂત પહલ હૈનું। ભારતીય સંસ્કૃતિ મેં શુદ્ધ લાભ કે સિદ્ધાંત કે બાજાય શુભ લાભ કે સિદ્ધાંત પર આધારિત હૈ। વરિષ્ઠ રાજ્યોગ શિક્ષિકા ડૉ. સવિતા દીદી ને કહા કી આજ વિત્તીય બુદ્ધિમત્તા કે સાથ ભાવનાત્મક બુદ્ધિમત્તા કા સંગમ આવશ્યક હૈ। ધન કી ગત મન કી દિશા સે નિર્ધારિત હોતી હૈ। જીવ મન શાંત ઔર સ્થિર હોતા હૈ, ત૱બ નિર્ણયોનો મેં સ્પષ્ટતા આતી હૈ ઔર સફળતા ટિકાઊ બનતી હૈ। દીદી ને ઉપરિસ્થિત પ્રતિભાગિયોનો રાજ્યોગ ધ્યાન કે માધ્યમ સે ભીતર કી સ્થિરતા અનુભવ કરને કે લિએ પ્રેરિત કિયા।

કાર્યક્રમ કે સંયોજક બીકે સીએ લલિત ઇનાની ને સ્વાગત ભાષણ મેં કહા કી ઇસ કોન્ફેસ કા ઉદ્દેશ્ય હૈ કે પ્રોફેશનલ્સ ન કેવલ બાહ્રી સમૃદ્ધિ બલ્કિ માનસિક



ઓર આધ્યાત્મિક સમૃદ્ધિ કો ભી અપના લક્ષ્ય બનાએં। જીવ વ્યક્તિ સ્વયં કે મૂલ સ્વરૂપ કો પહ્યાનતા હૈ, ત૱બ વહ ધન કુ ઉપરિય સમાજ-કલ્યાણ ઔર આત્મ-સંતોષ કે લિએ કરતા હૈ।

સમેલન મેં ઉદ્ઘાટન અવસર પર કઈ રાજ્યોનો સે આએ સીએ, બૈંક અધિકારી, ટૈક્સ અધિકારી એવં વિશેષજ્ઞ, યુવા ઉદ્યમી એવં વિત્તીય કારોબાર સે સંબંધિત લોગ ઉપસ્થિત રહે। કાર્યક્રમ મેં 'માઇન્ડ-મની' વિષય પર પ્રેરક વીડિયો પ્રસ્તુતિ, સાંસ્કૃતિક સંઘાં, તથા 'રાજ્યોગ મેડિટેશન અનુભવ સત્ર' આયોજિત કિએ ગએ। ચાર દિવસીય ઇસ સમેલન મેં આને વાતે દિનોને મેં વિશેષજ્ઞોને દ્વારા 'માઇન્ડપુલ લીડરશિપ', 'વૈલ્યુ-બેસ્ટ વેલ્થ મૈનેજમેન્ટ' ઔર 'સ્ટ્રેસ-ફ્રી સંક્રસેસ' જૈસે વિષયોને પર વિશેષજ્ઞોને દી ગઈ। પ્રતિભાગિયોને ને કહા કી યથ સમેલન કેવલ ધન પ્રબંધન કા પ્રશિક્ષણ

નહીં, બલ્કિ જીવન પ્રબંધન કા ગહન પાઠ હૈ। સમેલન મેં આએ હુએ કરીબ 110 બચ્ચોને લિએ ડિવાઇન સ્ટાર કિડ્સ કેપ કા સુંદર આયોજન કિયા ગયા।

મેડિટેશન સે માઇન્ડ હોતા હૈ ડિટ્રોક્સ: શિવાની દીદી અંતરરાષ્ટ્રીય પ્રેરક વક્તા બીકે શિવાની દીદી ને કહા કી જીવ તક હમ સ્વ ચિંતન નહીં કરોં તબ તક સ્વયં કો બદલ નહીં સકતે હૈનું। હમારે માઇન્ડ પર હમારે ભોજન કા બુદ્ધ અસર પડ્યા હૈ। ઇસલિએ સદા સત્ત્વિક ભોજન નહીં કરના ચાહિએ। હમ જિતના અપને મન કો સમજીતે જાતે હોય તો જીવન ઉત્તા આસાન હોતા જાતા હૈ। બિના મન કો સમજે ખુદ કો નહીં સમજ સકતે હૈનું। આજ સબસે જરૂરી હૈ અપને માઇન્ડ કા ડિટ્રોક્સ કરના। મેડિટેશન સે માઇન્ડ ડિટ્રોક્સ હોતા હૈ। મેડિટેશન સે ઇસે હમ ફર્લોનો કા ગુલદસ્તા બના સકતે હૈનું। જો ચીજેં હમારે હાથ મેં હોઈ હુએ તન્હેં બદલ સકતે હૈનું।





ગ્રાજીલ મેં સંયુક્ત રાષ્ટ્ર જલવાયુ પરિવર્તન સમ્મેલન આયોજિત

કૉપ-30 સમ્મેલન મેં બ્રહ્માકુમારીજ ને દિયા એકતા, વિશ્વાસ ઔર રાજ્યોગ કા સંદેશ



શિવ આમત્રણ, બેલે, ગ્રાજીલ।

વિશ્વ કે સબસે બઢે વર્ષાવન અમેજન કે કેંદ્ર મેં સંયુક્ત રાષ્ટ્ર જલવાયુ પરિવર્તન સમ્મેલન (COP30) કા આયોજન કિયા ગયા। યહ એતિહાસિક સમ્મેલન 10 સે 21 નવમ્બર 2025 તક આયોજિત કિયા ગયા। ઇસમાં લગભગ 50,000 પ્રતિનિધિઓને ભાગ લિયા। ઇસ દૌરાન સાથી ને વૈશિક જલવાયુ પરિવર્તન ઔર ઉસે વિત્તીય સહયોગ કો આગે બઢાને પર ચર્ચા કી। સમ્મેલન કે ઉદ્ઘાટન સત્ર મેં સંયુક્ત રાષ્ટ્ર મહાસચિવ એન્ટેનિયો ગુટેરેસ ને અપને પ્રભાવશાળી સંબોધન મેં કહા કી વૈશિક તાપમાન વૃદ્ધિ કો 1.5 ડિગ્રી સેન્ટિસ્યુસ તક સીમિત ન કર પાના એક નૈતિક અસફલતા ઔર ઘાતક લાપરવાહી હૈ। ઉન્હોને તેલ, ગૈસ ઔર કોયલા ઉદ્યોગોની તીવ્ખી આતોચના કરતે હુએ કહા કી યે ઉદ્યોગ જલવાયુ વિનાશ સે મુનાફા કમા રહે હૈનું, જબકી અરબોં ડૉલર લાંબિંગ, જનથોખે ઔર પ્રગતિ મેં બાધા ડાલને મેં ખર્ચ કર રહે હૈનું।

બ્રહ્માકુમારીજ કી પ્રેરક ભાગીદારી:

ઇસ વૈશિક સંકટ કે નિર્ણયિક સમય મેં બ્રહ્માકુમારીજ સંસ્થા કી આધ્યાત્મિક ઉપરસ્થિતિ કો વિશેષ રૂપ સે સરાહા જા રહા હૈ। યહ સંસ્થા સંયુક્ત રાષ્ટ્ર દ્વારા માન્યતા પ્રાપ્ત 4,000 પ્રેક્ષક સંગઠનોને સે એક હૈ।



ગ્રાજીલ મેં સાથે પાઠ્લો ઔર સલ્વાડોર સ્થિત બ્રહ્માકુમારીજ પરિવાર દ્વારા ઇસ મિશન કો બડા સહયોગ પ્રાપ્ત હુआ હૈ। ઇસ બાર બ્રહ્માકુમારીજ કી પ્રતિનિધિ ટીમ મેં સંસ્થાન કે અંતરાષ્ટ્રીય મુખ્યાલય માર્ટંટ આબ્દુ સે બીકે બુહાન ભાઈ, બીકે ફ્રાસિસ ભાઈ, બીકે કૈરોલિન, બીકે નજરિ, બીકે મૌરિન બહન, બીકે લૂસિયાના બહન, બીકે નૉની બહન, બીકે માદાલેના બહન, બીકે જોસ રિકાર્ડો, બીકે થોમસ, બીકે એલેક્સ, બીકે ગોરેથ, બીકે ગોલો, બીકે સોન્યા, બીકે પેરેશિયા ઔર બીકે આનન્દા ને ભાગ લિયા। COP30 કે અધ્યક્ષ અંદ્રો કોર્ટિયા દો લાગો ને બતાયા કી ઇસ બાર કી પ્રેરણ બ્રાજીલ કી સ્થાનીય “મુત્રિઓ” પરંપરા સે લી ગઈ હૈ।

જાગરૂકતા કે બિના જલવાયુ પરિવર્તન સે નિપટના સંભવ નહીં હૈ। બ્રહ્માકુમારીજ કા સંદેશ હૈ કી બાહ્ય પર્યાવરણ તથી સંતુલિત હો સકતા હૈ જબ મનુષ્ય કા આંતરિક વાતાવરણ શાંત ઔર શુદ્ધ બને। ઇસ વર્ષ કા જલવાયુ સમ્મેલન અપને દૃષ્ટિકોણ ઔર કાર્યશૈલી મેં પછીલે સમ્મેલનોને સે ભિન્ન દિવિખાઈ દે રહા હૈ। ગ્રાજીલ સરકાર ને સમ્મેલન સે પહુલે હી વ્યાપક કૂટનીતિક ઔર સામાજિક નેટવર્કિંગ કે પ્રયાસ કિએ હૈનું। COP30 કે અધ્યક્ષ અંદ્રો કોર્ટિયા દો લાગો ને બતાયા કી ઇસ બાર કી પ્રેરણ બ્રાજીલ કી સંસ્થાનીય “મુત્રિઓ” પરંપરા સે લી ગઈ હૈ।

સુરક્ષા બલોને લિએ તીન દિવસીય સ્વ-સશક્તિકરણ રિટ્રેટ આયોજિત

સમર્થાઓની અસલી શુરૂઆત મન સે હોતી હૈ

શિવ આમત્રણ, ગુણગામ, હારિયાણા

બ્રહ્માકુમારીજ કે ભોડાકલાં સ્થિત ઓમ શાંતિ રિટ્રેટ સેંટર મેં સુરક્ષા બલોને લિએ તીન દિવસીય સ્વ-સશક્તિકરણ કાર્યક્રમ આયોજિત કિયા ગયા। જિસમાં ભારતીય સેના એવં સુરક્ષા બલોને અધિકારીઓને ભાગ લિયા। કાર્યક્રમ કા આયોજન સેલ્ફ એપાવરમેન્ટ ફોર્મ મૈનેજિંગ ચૈલેન્જેસ વિષય પર હુઅા। કાર્યક્રમ કે ઉદ્ઘાટન સત્ર મેં ભારતીય સેના મેં સેવારત મેજર જનરલ ગોપાલ વર્મા ને અપને વિચાર રહ્યે। ઉન્હોને કહા કી શારીરિક રૂપ સે સક્ષમ હોને કે બાદ ભી વ્યક્તિ અપને કો કમાજોર મહસૂસ કરતા હૈ। જિસકા મૂલ કારણ આંતરિક શક્તિ કી કર્મી હૈ। બાહર સે તો હર કોઈ અપને કો ભર રહ્યું હૈ। લેન્કિન અંદર ખાલીપણ કર્દું હોને કે આધ્યાત્મિકતા હુએ હોતે હોની હૈ।

ભારતીય રક્ષા લેખા સેવા કી પૂર્વ સીજીડીએ દેવિકા રધુંબંશી ને કહા કી કાફી સમય સે વો રાજ્યોગ કા અભ્યાસ કર રહી હૈનું। અપના અનુભવ સાજી કરતે હુએ ઉન્હોને કહા કી રાજ્યોગ સે ઉન્કે જીવન મેં અદ્ભુત પરિવર્તન હુએ હોની હૈ।



હુઅા। ઉન્હોને કહા કી બિના આત્મબલ કે જીવન મેં ખુશાહાલી નહીં આ સકતી।

ભારતીય નૌસેના કે સેવાનિવૃત્ત વાઇસ એડમિરલ દીપક કપૂર ને કહા કી બ્રહ્માકુમારીજ જીવન કી કલા સિખાતી હૈ। ઉન્હોને કહા કી કિસી ભી સમસ્યા કી અસલી શુરૂઆત હોમારે મન સે હોતી હૈ। બાહ્ય દુનિયા કા પ્રભાવ મન કી શક્તિ કો કમાજોર કર દેતા હૈ। ઔર હમ સ્વયં કો ભૂલતે ચલે જાતે હૈનું। આધ્યાત્મિકતા હુએ આત્મા કે મૂલ ગુણોને જોડીતી હૈ। ઉન્હોને કહા કી આધ્યાત્મિકતા હુએ સ્વયં સે બાતે કરના સિખાતી હૈ। વિચારોને કે શુદ્ધિકરણ મેં હી સમસ્યા કા હલ છિપા હૈ। જન્મ સે હી કોઈ મહાન નહીં હોતા બલ્કિ વ્યક્તિ કે ગુણ ઉસકો મહાન બના દેતે હૈનું।

સીમા સડક સંગઠન કે અંતરિક મહાનિદેશક હેડેન્ટ કુમાર ને કહા કી આગે કાફી શક્તિ હૈ, જો સકારાત્મક સોચ પૈદા કરતી હૈ। ઉન્હોને કહા કી આત્મબલ બઢાને કે લિએ જીવન જરૂરી હૈ। મન એક બહુત બડા ટૂલ હૈ। મન



નई રાહેં

બીકે પુષ્ટંદ, સંયુક્ત સંપાદક
શિવ આમત્રણ, શાંતિવિનપ્રતિભા કા દમન : પ્રકૃતિ, પુરુષ ઔર
પરમાત્મા કી વ્યવસ્થા મેં હસ્તક્ષેપ

શિવ આમત્રણ, આબુ રોડ, રાજસ્થાન। સૃષ્ટિ મેં હર આત્મા એક યાત્રા પર હૈ। ઇસ યાત્રા મેં વહ અપને પિછે જન્મ સે કુછ વિશેષ કલા યા પ્રતિભા લેકર કર્મક્ષેત્ર મેં કદમ રહ્યું હૈ। ઇસલાએ હમ દેખતે હું કી કિસી બચ્ચે મેં બચપન સે હી કુછ ખાસ પ્રતિભા, કલા યા વિશેષજ્ઞતા હોતી હૈ। યા વિશેષ ગુણ ઉસકે પૂર્વ જન્મ કે કર્મી કા પરિણામ હોતે હૈ। પ્રત્યેક આત્મા ઇસ ધરા પર કોઈ ન કોઈ ખાસ ગુણ યા વિશેષતા કે સાથ આત્મા હૈ। કર્દ બાર ઉસ વિશેષતા કો પહ્યાન કર ઉસ પર કામ કરને, ઉસે નિખારને સે ઉસમે ચાર ચાંડ લગ જાતે હૈ ઔર એરી મનુષ્ય આત્માઓને જગ મેં વિશેષ ર્યાતિ પ્રાપ્ત કરતી હૈનું। સૃષ્ટિ કી ર્યાતા એક દિવ્ય, સુયવસ્થિત ઔર અત્યંત સુક્ષ્મ પ્રક્રિયા હૈ। પ્રકૃતિ, પુરુષ (શિવ/આત્મા) ઔર પરમાત્મા યે તીવ્ખાં મિલકર સંસાર કી વ્યવસ્થા કો સંતુલન, સુંદરતા ઔર સાર્થકતા પ્રદાન કરતે હૈનું। પ્રકૃતિ સંસાધન દેતી હૈ, પુરુષ કર્મ કરતા હૈ ઔર પરમાત્મા માર્ગદર્શન, શક્તિ ઔર સત્ય કા પ્રકાશ પ્રદાન કરતે હૈનું। ઇન તીવ્ખાં કે સહજ સામંજસ્ય મેં માનવ જીવન કા વિકાસ સંભવ હોતા હૈ। લેન્કિન જબ મનુષ્ય અપની સંકીર્ણ સોચ, ભય, અંહાર, તુલના યા દ્વારા કે કારણ કિસી કી પ્રતિભા કો દ્વારાતી હૈ, તો વહ કેવેલ એક વ્યક્તિ કો નહીં રોકતા, બલ્કિ તીવ્ખાં હી મહાન વ્યવસ્થાઓને બીંચ હસ્તક્ષેપ કરતા હૈ। યાં કારણ હૈ કી પ્રતિભા કા દમન કેવેલ અન્યાય નહીં, બલ્



जीवन प्रबंधन



बीके शिवानी दीदी

जीवन प्रबंधन विशेषज्ञ, अंतरराष्ट्रीय मोटिवेशनल स्पीकर और ब्रह्माकुमारीज्ञ की टीवी ऑडियो, गुरुग्राम, हरियाणा

अपने बच्चों का हर पल बढ़ाएं हौसला

नारी शिवित भोजन को प्रसाद समझकर बनाएं

शिव आमंत्रण, आबू रोड

इस दुनिया में प्रत्येक आत्मा एक लंबी यात्रा पर है। इसलिए दुनिया में प्रत्येक व्यक्ति (आत्मा) के स्वभाव, संस्कार और आदतें अलग-अलग होती हैं। जब एक आत्मा हमारे घर में बच्चा बनकर जन्म लेती है तो वह अपने साथ पूर्व जन्मों के स्वभाव, संस्कार भी लेकर आती है। जब वही बच्चा बड़ा होता है और उसकी सांच हमारी सोच से नहीं मिलती है तो हम उसे गलत ठहराने लगते हैं। उसकी कमियों पर टोकते हैं, उसे होतोसाहित करते हैं, जबकि हकीकत में पूर्व जन्मों के संस्कार के कारण वह बच्चा अपने हिसाब से खुद को सही मानता है। ऐसी स्थिति में माता-पिता को चाहिए कि अपने बच्चे पर अपनी राय या निर्णय नहीं थोंपें। उसकी कमी-कमजोरियों को नजरअंदाज करते हुए आगे बढ़ने का हौसला बढ़ाएं। प्रकृति का नियम है जब हम एक ही बात को बार-बार कहते हैं तो वह सत्य होने लगती है। जैसे आप अपने बच्चे से रोज कहें कि तू तो बूझ है, तुम्हें कुछ नहीं आता है, तू तो नालायक है तो यह शब्द रोज सुनते-सुनते आपका बच्चा भी वैसा ही बन जाएगा। उसके अंतर्मन में ये शब्द समा जाएंगे और उसकी आत्मिक शिवित पहले से और घटी जाएंगी। इससे उसमें जो थोड़ी बहुत कमी थी वह और बढ़ती जाएगी और फिर हम कहते हैं कि तू तो पहले से भी ज्यादा नालायक हो गया है। कुछ लोग इसे जनरेशन गैफ का नाम दे देते हैं। जैसे एक बच्चे को पानी से डर लगता है, ऊँचाई से डर लगता है। इसके पिछले जन्म में उसकी मृत्यु पानी से हुई हो, इसलिए उसके मन में पानी के प्रति भय पैदा हो गया। उस आत्मा ने आपके यहां जन्म लिया तो अंत के समय का वह संस्कार वह अपने साथ लेकर आई। क्योंकि हम कहते भी हैं 'अंत मति सो गति'

हर आत्मा के अपने-अपने संष्कार हैं...

जब बच्चा छोटा होता है तो हमें उसकी हर बात अच्छी लगती है। जैसे-जैसे वह बड़ा होता जाता है तो हम उसे कहते हैं कि आप गलत हो, आपमें ये कमी है। तो कुछ दिन बाद बच्चा भी माता-पिता से कहने लगता है आप गलत हो और हम इसे जनरेशन गैप कहने लगते हैं। जबकि हकीकत ये है कि हर आत्मा के अपने-अपने संस्कार हैं। वह पिछले जन्मों से अपने साथ जो संस्कार लेकर आई है वह उसी अनुसार कर्म करती है। सिर्फ इस जन्म में वह हमारे यहां बच्चा बनकर आई है। उसी अनुसार उसके स्वभाव, संस्कार, आदतें और सोच होती है।

किसी से नहीं रखें अपेक्षा

सारी तकलीफों की जड़ अपेक्षा रखना है। कभी भी किसी से अपेक्षा नहीं रखें। इसे आज ही छोड़ दें। जैसे हम अपने बच्चे से अपेक्षा रखते हैं कि हमारा बच्चा आगे बढ़े, मेरे मुताबिक कैरियर चुने, मेरे मुताबिक कार्य करे, जैसा हम सोचते और करते हैं वैसा ही वह भी करे। लेकिन हम यह भूल जाते हैं कि प्रत्येक आत्मा का अपना स्वभाव, संस्कार अपना-अपना होता है। वह अपनी क्षमता के अनुसार ही आगे बढ़ती है।

जैसा भोजन, वैसे ही विचार

भोजन बनाते समय महिलाएं संकल्प करें कि सभी मेरे घर में महान आत्माएं हैं...सभी परमात्मा के बच्चे हैं...सभी दिव्य आत्माएं हैं...परमात्मा की शक्ति भोजन पर पड़ रही है और वह पवित्र हो गया है। जब घर में महिलाएं शुभ और अच्छे संकल्पों के साथ भोजन बनाएंगी तो खाने वालों का मन भी सकारात्मक और पवित्र बन जाएगा। भोजन बनाते समय भजन भी लगा सकते हैं। साथ ही भोजन करते समय मौन रहें। भोजन बनाते समय जिनमें अच्छे मन में संकल्प, विचार होंगे खाने वालों पर वैसा ही प्रभाव पड़ता है। इसलिए रोज की दिनचर्या में इसका विशेष ध्यान रखें। गृहिणियां रोज संकल्प करें कि मैं खाना नहीं प्रसाद बना रही हूं। भोजन को ध्यान रखने से कई समस्याएं अपने आप हल हो जाएंगी।

अपने आप से करें ये सवाल?

- » खुद से पूछें कि यदि हमें अपने अंदर की कोई एक आदत बदलनी हो तो वह कौन सी होगी?
- » कौन सी मेरी आदत है जो मुझे तंग करती है?
- » मेरी कौन सी आदत है जो दूसरों को भी दुःख देती है और परेशान करती है?
- » कौन सी आदत के कारण मेरी तरकी रुकी हुई है?

बच्चों के साथ इन बातों का ध्यान रखें

» बच्चों का मनोबल बढ़ाएं, उन्हें शाबासी दें।

» बच्चे को आत्मिक रूप से सशक्त और मजबूत बनाएं। उनमें आत्म विश्वास भरें।

» बच्चों से सदा बोलें- आप निडर हो, शक्तिशाली हो, महान हो, होशियार हो, बुद्धिशाली हो, मेरे राजा बेटे हो.... एक दिन बच्चा वैसे ही बन जाएगा।

» कभी भी अन्य बच्चों के साथ अपने बच्चों की तुलना नहीं करें। हर बच्चा अपने आप में विशेष है। उसकी विशेषता को परखकर आगे बढ़ाएं।

» प्रकृति का नियम है हम जिस बात का रोज चिंतन करते हैं तो वही हमारे साथ होने लगता है। इसलिए हम बच्चों को जैसा देखना, सुनना और बनाना चाहते हैं, वैसा ही उनके बारे सोचें और बोलें।

» खुश रहने के लिए हर रोज अपने आप को याद दिलाएं कि मेरा संस्कार और बच्चों का संस्कार अलग है, क्योंकि हर बच्चा अपने आप में और अपनी सोच के मुताबिक अपने आप में सही है।

बेट्टर रिटॉं के लिए इन्हें अपनाएं

» दूसरों को गलत ठहराना रिश्ते बिगड़ने का सबसे बड़ा कारण है। रिश्ते बनाए रखने के लिए सदा एक-दूसरे को समान दें।

» क्षमा करना सीखें। माफ करने के बाद उस बात को मन से भी निकाल दें, नहीं तो वह खुद को ही दुःख देती रहेगी।

» राय कितनी भी अच्छी हो, यदि समान के साथ न दें तो उसे कोई स्वीकार नहीं करता है।

» लोग जैसे हैं, उन्हें वैसे ही स्वीकार करना सीखें।

» एक ने दूसरे के लिए गलत सोचा तो दूसरा भी आपके बारे में गलत सोचेगा। क्योंकि जो संकल्प हम दूसरे के लिए करते हैं वह उस तक पहुंच जाते हैं।

» आत्मा की बैटरी चार्ज करने के लिए रोज आधा- पौन घंटा मेडिटेशन जरूर करें।

» लोगों की तारीफ करना सीख लीजिए सारी समस्याएं अपने आप खत्म हो जाएंगी।

» रोज सुबह उठते ही आध्यात्मिक पुस्तकों या सद्विचारों का अध्ययन करें।

» सुबह उठते ही अखबार पढ़ना आज से ही बंद कर दें।

» हमारे विचार और शब्द ही हमारे भवित्व के निर्माण होते हैं। इसलिए विचारों का चुनाव सोच-समझकर ही करें।

» हमारे भोजन का मन पर सबसे ज्यादा असर पड़ता है। जैसा अन्न, वैसा मन। सात्त्विक भोजन खाने से मन भी सात्त्विक हो जाता है। इसलिए हमेशा प्रभु की याद में बना शुद्ध, सात्त्विक और शाकाहारी भोजन ही करना चाहिए।



समस्याओं से मुक्ति का आधार है मन

- राज्योगी बीके सूरज भाई,
मारुत आबू

शिव आमंत्रण, आबू रोड/राजस्थान। समस्याएं क्या हैं? समस्याएं कुछ नहीं कमज़ोर मन की रचना हैं। शक्तिशाली मन समस्याओं को नष्ट कर देता है। सिर्फ संकल्प करने से ही हमारे जीवन में आने वाली समस्याएं टल जाती हैं। आज मनुष्य साइंस और टेक्नोलॉजी में बहुत आगे निकल गया है लेकिन अपनी शक्तियों को भूलता जा रहा है। अगर हमें अपनी शक्तियों की याद रहे तो कई समस्याएं आएंगी ही नहीं। हम सर्वशक्तिवान के बच्चे मास्टर सर्वशक्तिमान हैं। इस शक्ति को आज हम भूल गए हैं।

मैंने अपने जीवन और दूसरों पर कई योग के प्रयोग किए हैं। एक बार एक मनोरोग विशेषज्ञ ने कहा कि वास्तव में मेडिकल साइंस में डिप्रेशन की कोई दवा नहीं है। मैंने अपने जीवन में एक भी मनोरोगी ठीक होते नहीं देखा है। आज डिप्रेशन के चलते लोगों में नींद नहीं आनी की समस्या बढ़ती जा रही है। हमारे अंतर्मन (सब-कॉन्सियस मार्ड) में ही सभी समस्याओं का समाधान समाया हुआ है।



एक बार एक मां अपने बेटे को लेकर मेरे पाई आई। उन्होंने बेटा फिजिक्स में बहुत होशियार है लेकिन मैथैय में हमेशा नंबर कम आते हैं। योग के प्रयोग से उस बच्चे का मैथैय में मन लगने लगा और होशियार हो गया। योग में वह ताकत है जो हम इसके सही प्रयोग से बदल सकते हैं। सब-कॉन्सियस मार्ड में बहुत पॉवर है। मेरे जीवन में अब तक करीब दस हजार से अधिक लोग आ चुके होंगे जिनके साथ योग के प्रयोग से कई गंभीर बीमारियों का इलाज संभव हुआ है। एक बालक बहुत हक्कलाता था, योग के प्रयोग से आज वह साफ आवाज में बात करता है। जीवन में कुछ करने के लिए स्वयं में आत्म विश्वास बहुत जरूरी है। इसके बिना हम कुछ नहीं कर सकते हैं। योगाभ्यास को दृढ़तापूर्वक करने से हम इसमें सफल हो सकते हैं।

समस्याओं के मुख्य तीन कारण हैं

पहला कारण: एक व्यक्ति एक महात्मा के पास पहुंचता है और कहता है कि मुझे ऐसी जगह ले चलो जहां कोई समस्या नहीं हो। महात्मा उसे शमसान में लेकर जाते हैं और कहते हैं यहां लेट जाओ, यहां कोई समस्या नहीं है। इस पर वह बोला कि यहां तो मैं अपनी मृत्यु के बाद आऊंगा। इस पर महात्मा बोले- जब तक जीवन है तो समस्याएं रहेंगी। उन्हें खुशी-खुशी पार करते जाओ। उन्हें चैलेंज के रूप में स्वीकार करें। हर समस्या में कुछ सीख लें और आगे बढ़ते जाएं। जीवन सरल हो जाएगा।

दूसरा कारण: मनुष्य का अपना स्वभाव बहुत सी समस्याओं का कारण होता है। जैसे यदि किसी के अंदर क्रोध और लड़ने का संस्कार हो तो कई समस्याएं आती हैं। किसी में बहुत इच्छाएं हो तो भी कई समस्याएं सामने आ जाती हैं। रोने-रुसने का संस्कार, दुःखी रहने का संस्कार हो तो भी कई समस्याएं आती हैं। यदि हम अपने आप को बदल ले तो कई समस्याएं अपने आप मिट जाएंगी।

तीसरा कारण: पूर्व जन्मों में किए गए पाप कर्म और विकर्म भी समस्याएं आने का एक कारण ह